मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 176
शुक्रवार, 10 जनवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

भविष्य युद्ध में नहीं बुद्ध में है, प्रवासी भारतीय सम्मेलन में बोले पीएम मोदी

ओडिशा, 09 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ओडिशा में 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का उद्घाटन किया. कार्यक्रम में बोलते हुए, उन्होंने इस अवसर के महत्व पर भी प्रकाश डाला, और बताया कि कुछ ही दिनों में प्रयागराज में महाकुंभ मेला शुरू हो जाएगा। उन्होंने देश भर में व्याप्त खुशी के माहौल पर जोर देते हुए मकर संक्रांति और माघ बिहू के आगामी त्योहारों का भी उल्लेख किया। अपने संबोधन में प्रधान मंत्री ने वैश्विक व्यापार और आध्यात्मिकता में इसके महत्वपूर्ण योगदान को ध्यान में रखते हुए, ओडिशा की गहन सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत की भी प्रशंसा की। पीएम मोदी ने ओडिशा के प्राचीन समुद्री संबंधों पर भी टिप्पणी की, जहां व्यापारी बाली, सुमात्रा और जावा जैसे सुदूर क्षेत्रों की यात्रा करते थे। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इन ऐतिहासिक संबंधों का सम्मान करने के लिए बाली यात्रा की परंपरा अभी भी मनाई जाती है। ओडिशा के आध्यात्मिक सार का जिक्र करते हुए उन्होंने शांति के प्रतीक धौली के बारे में बात की, जहां सम्राट अशोक ने कलिंग युद्ध के बाद अहिंसा को अपनाया था। एक ऐसे युग में जब साम्राज्य हथियारों के बल पर बनाए जाते थे, सम्राट अशोक ने यहां ओडिशा में शांति का मार्ग चुना। यह वह विरासत है

जो आज भारत को युद्ध में नहीं, बल्कि बुद्ध की शिक्षाओं में निहित भविष्य की वकालत करने के लिए प्रेरित करती है।

प्रधान मंत्री ने 9 जनवरी के ऐतिहासिक महत्व को भी बताया, जो 1915 में महात्मा गांधी की विदेश से भारत वापसी का प्रतीक है, जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम की नींव रखी थी। उनकी टिप्पणियाँ इस आयोजन के आसपास के उत्सव के मूड को प्रतिध्वनित करती हैं, जो दुनिया भर से भारतीय प्रवासी सदस्यों की उपस्थिति से बढ़ा है।

पीएम मोदी के अनुसार, प्रवासी भारतीय दिवस का यह संस्करण विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मशती के साथ मेल खाता है। उन्होंने भारत के वैश्विक जुड़ाव और प्रवासी भारतीयों तक पहुंच पर पूर्व प्रधान मंत्री के स्थायी प्रभाव को श्रद्धांजलि देते हुए इस कार्यक्रम के विकास और सफलता के लिए वाजपेयी की दूरदृष्टि को श्रेय दिया।

दिल्ली चुनाव में होगी राहुल गांधी की एंट्री, 13 जनवरी को कर सकते हैं चुनावी रैली को संबोधित

नई दिल्ली, 09 जनवरी। दिल्ली के मतदाता राहुल और प्रियंका आश्चर्यचकित हैं क्योंकि वे अभी तक राष्ट्रीय राजधानी के चुनावी परिदृश्य में दिखाई नहीं दिए हैं, जहां 5 फरवरी को मतदान होना है। जैसे-जैसे राजनीतिक माहौल गर्म होता जा रहा है, आम आदमी पार्टी ऐसा लगता है कि जब चुनावी बिगुल बजने की बात आई तो उसने बढ़त ले ली है और विधानसभा की सभी 70 सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। वहीं, अब खबर है कि कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 13 जनवरी को दिल्ली में एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे।

आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल पहले ही मैदान में उतर चुके हैं और मतदाताओं से

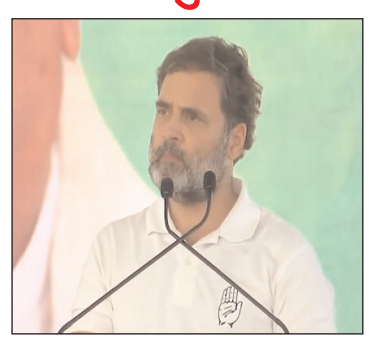

जुड़ रहे हैं और उन्हें दोबारा चुने जाने पर चांद देने का वादा कर रहे हैं। भाजपा ने अपनी ओर से पीएम मोदी के रूप में अपना भाग्यशाली आकर्षण उजागर किया है, जो पहले ही एक रैली कर चुके हैं और दिल्ली के लोगों के लिए सैकड़ों करोड़ रुपये की कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की घोषणा भी कर चुके हैं। इसके बीच, कांग्रेस अभी भी अपने दृष्टिकोण में पीछे दिख रही है क्योंकि 'परिवार' अभी तक सामने नहीं आया है, जबकि पार्टी ने शुरूआती मतदाता संपर्क का काम डीके शिवकुमार, केसी वेणुगोपाल और अशोक गहलोत जैसे नेताओं पर छोड़ दिया है, ऐसा लगता है। सबसे पहले डीके ने महिलाओं के लिए प्यारी दीदी योजना की घोषणा की, इस वादे के साथ कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो दिल्ली में महिलाओं को 2500 रुपये प्रति माह देगी। इसी तरह, बुधवार को राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने दिल्ली के लोगों के लिए अपनी पार्टी की दूसरी गारंटी लॉन्च की, जिसमें कांग्रेस के सत्ता में आने पर प्रत्येक दिल्लीवासी को जीवन रक्षा योजना के तहत 25 लाख रुपये का बीमा मिलेगा।

टीएमसी ने बताया, ममता बनर्जी ने क्यों किया केजरीवाल का समर्थन, कांग्रेस को दी नसीहत

कोलकता। दिल्ली चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका देते हुए ममता बनर्जी ने आम आदमी पार्टी को अपनी पार्टी का समर्थन दिया है। हाल ही में समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने भी अरविंद केजरीवाल को अपना समर्थन दिया था। जबकि आप और कांग्रेस दोनों इंडिया ब्लॉक का हिस्सा रहे हैं, दोनों के बीच तनाव उभर आया है और आप ने कांग्रेस को गठबंधन से हटाने की मांग की है। ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस नेतृत्व को लेकर इंडिया गुट के भीतर दरार बढ़ गई है, ममता बनर्जी और अखिलेश यादव ने दिल्ली में आप को अपना समर्थन दिया है और कांग्रेस अकेले लड़ रही है।

बड़ा सवाल ये है कि आखिर ममता बनर्जी ने आप का समर्थन क्यों किया? इसको लेकर टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने कहा कि आम आदमी पार्टी इंडिया गठबंधन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और हमारी नेता ममता बंदोपाध्याय प्रत्येक सदस्य का सम्मान करती हैं। हम अअढ का समर्थन करते हैं जो 2013 से सफलतापूर्वक सरकार चला रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को यह सीखना चाहिए कि भाजपा अपने आख्यान के माध्यम से वोट ले रही है। कांग्रेस ने अपने अहंकार के लिए मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी या हरियाणा में अअढ को कोई सीट आवंटित नहीं की, जबकि लोकसभा चुनाव में SP ने कांग्रेस को सीटें आवंटित कीं।

कीर्ति आजाद ने कहा कि कांग्रेस को क्षेत्र की परवाह किए बिना हर पार्टी का सम्मान करना चाहिए और दिल्ली में AAP का समर्थन करना चाहिए था, लेकिन वे इसके खिलाफ लड़ रहे हैं। बीजेपी बांग्लादेशी हिंदुओं के बारे में बात नहीं करती है, और दिल्ली में 5 साल के लिए उसके पास कोई योजना नहीं है। अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को घोषणा की कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने आगामी 5 फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को समर्थन दिया है। एक्स पर एक पोस्ट में, अरविंद केजरीवाल ने आप को समर्थन देने के लिए टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी को धन्यवाद दिया।

बीजेपी के पास दिल्ली चुनाव के लिए कोई एजेंडा और चेहरा नहीं: सीएम आतिशी

नई दिल्ली, 09 जनवरी। सीएम आतिशी ने आज गोविंदपुरी इलाके में AAP चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस 'गाली-गलौज' पार्टी के पास दिल्ली के लिए कोई एजेंडा, नैरेटिव या सीएम चेहरा नहीं है। इनका एक ही काम है- अरविंद केजरीवाल को गालियां देना। मुझे लगता है कि दिल्ली के लोगों के लिए निर्णय लेना बहुत आसान होगा। इससे पहले उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि कड़कड़ाती हुई ठंड में, भाजपा की केंद्र सरकार ने, नरेला में झुग्गियाँ तोड़ दीं। महिलाएँ और बच्चे सड़क पर आ गए हैं। भाजपा वाले झुग्गीवासियों से इतनी नफरत क्यों करते हैं?

आतिशी ने कहा कि थोड़ी देर में नरेला जा रही हूँ। इन झुग्गीवासियों से मिलूँगी। इनकी हर संभव मदद करेंगे। इससे पहले आतिशी ने मुख्यनिर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार को पत्र लिखकर नयी दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में कथित हेरफेर पर चर्चा के लिए मिलने का समय मांगा है। इस सीट से आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। यह आतिशी का पिछले तीन दिनों में इस मुद्दे पर सीईसी को लिखा गया दूसरा पत्र है। पांच जनवरी को भी आतिशी ने इन कथित अनियमितताओं पर चर्चा के लिए एक मुलाकात का अनुरोध किया था। आतिशी ने अपने इस नये पत्र में नयी दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं का मुद्दा फिर उठाया तथा मुख्य निर्वाचन आयुक्त से तत्काल मुलाकात के लिए समय देने का आग्रह किया। पत्र में कहा गया है, दिल्ली विधानसभा चुनाव में 27 दिन से भी कम समय बचा है, इसलिए इस मामले पर सर्वोच्च प्राथमिकता से विचार किया जाना चाहिए। हम स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के सिद्धांतों को बनाये रखने के लिए भारत के निर्वाचन आयोग पर भरोसा करते हैं। उन्होंने पत्र में कहा, एक बार फिर, मैं आपसे अनुरोध करना चाहूंगी कि दिल्ली विधानसभा के स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए कृपया जल्द से जल्द एक मुलाकात का समय दें।

बस की चपेट में आया बाइक सवार, तीन लोगों की मौत

कर्नाटक, 09 जनवरी। कर्नाटक के रामनगर में कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बस की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी।

घटना में गंभीर रूप से घायल एक महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार दुर्घटना रामनगर और कनकपुरा के बीच अचलू गांव में हुई। मोटरसाइकिल चालक अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ कनकपुरा से रामनगर जा रहा था। विपरीत दिशा से आ रही केएसआरटीसी बस ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे दुर्घटना हो गई।

ईडी ने क्रिकेट और टेनिस की सट्टेबाजी के मामले में 3.36 करोड़ रुपये का सोना जब्त किया

इंदौर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की इंदौर इकाई ने क्रिकेट और टेनिस की अवैध सट्टेबाजी के मामले के एक आरोपी के बैंक लॉकर से करीब 3.36 करोड़ रुपये मूल्य का सोना जब्त किया है।

ईडी की ओर से बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के मुताबिक, सट्टेबाजी के मामले के आरोपियों में शामिल संजय अग्रवाल के बैंक लॉकर की मंगलवार को ली गई तलाशी के दौरान 3.50 किलोग्राम सोने की विदेशी मार्किंग वाली सिल्लियां और 750 ग्राम वजनी आभूषण मिले जिनकी कुल कीमत 3.36 करोड़ रुपये के आस-पास है। विज्ञप्ति में बताया गया कि ईडी ने सट्टेबाजी को लेकर उज्जैन पुलिस की दर्ज प्राथमिकी के आधार पर इस मामले की जांच शुरू की थी।

व्यापारी के बेटे ने खुद ही रची थी अपहरण की कहानी, पिता से मांगा 30 लाख

सुरेश गांधी

वाराणसी। वाराणसी के जैतपुरा थाना क्षेत्र के सीमेंट कारोबारी का बेटा संदिग्ध हाल में बीते मंगलवार शाम से लापता हो गया था। पिता के व्हाट्सएप पर अनजान नंबर से 30 लाख रुपये की मांग की गई थी। सीमेंट कारोबारी सतीश जायसवाल ने बताया कि कॉल करने वाले ने कहा कि अमन उनके कब्जे में है। वहीं, कार्रवाई करते हुए पुलिस ने युवक को उसके ही दोस्त के घर से बरामद कर लिया। पुलिस का कहना है कि जैतपुरा निवासी सीमेंट व्यापारी के इकलौते बेटे का अपहरण नहीं हुआ था। शेयर मार्केट में घाटा होने पर उसने 13 लाख रुपये कर्ज लिया था। तगादा से परेशान होकर वह घर से भाग गया था। इसके बाद अपने पिता को फोन कर कहा कि आपके बेटे

का अपहरण कर लिए हैं। 30 लाख रुपये देने पर ही उसे छोड़ेंगे। यह खुलासा जैतपुरा थाने की पुलिस ने गुड़गांव से युवक को उसके दोस्त के फ्लैट से बरामद करने के बाद गुरुवार की शाम किया। पुलिस के मुताबिक सतीश जायसवाल ने बुधवार को पुलिस को सूचना दी। जैतपुरा थानाध्यक्ष को उन्होंने बताया कि उनका बेटा अमन जायसवाल (25) उनकी दुकान से मंगलवार की शाम से लापता है। चार बार व्हाट्स एप कॉल कर उन्हें कहा गया है कि 30 लाख रुपये दे दो तो तुम्हारे बेटे को सुरक्षित छोड़ दिया जाएगा। इस संबंध में एडीसीपी काशी जोन सरवणन टी ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए जैतपुरा थानाध्यक्ष बृजेश कुमार मिश्र के नेतृत्व में दरोगा जितेंद्र यादव और दरोगा आलोक त्रिपाठी की टीम गठित की गई। जिस मोबाइल नंबर से अमन के पिता के पास फोन आया था, सर्विलांस की मदद से उसे ट्रैक किया गया। गुड़गांव के सेक्टर-27 स्थित एक फ्लैट से अमन को बरामद कर उसे उसके पिता को सौंप दिया गया है। उसे हिदायत दी गई है कि दोबारा ऐसा करेगा तो उसके लिए ठीक नहीं होगा।

KWALITY BUILDERS & DEVELOPERS
अपने सपनों का घर प्राप्त करें, सस्ते दामों एवं आसान किस्तों के साथ मुंबई मे भी उपलब्ध
PRAKASH PRAJAPATI MO:9821773050
Venue: Plot No. 20/27/2/A/20, Behind Janbai Building, Navali, Palghar (E), 401404

THE DOCTORS COACHING
अब आपके विकास नगर लखनऊ में
Your Gateway to Success in NEET & Foundation Exams!
Powered by- Modern Kids Education Pvt.Ltd. (Since 1999)
NEET (UG) & FOUNDATION
Physics Chemistry Biology
Director Dr. Abid Khan PhD (USA)
9th, 10th, 11th & 12th
Smart Classes
Fully Air- Conditioned Classes
The Doctors Coaching Your Gateway to success in
NEET a foundation exams!
ADMISSION OPEN NOW!
www.thedoctorcoaching.com | edu@thedoctorcoaching.com
+91- 7080403322, +91- 8400043322
Near LHPS, Friends Colony, Sector- 7, Vikas Nagar, Lucknow- 226022

"स्वच्छ जल से ही स्वस्थ जीवन"
सस्ते एवं उचित दर पर, आपकी सेवा में समर्पित, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें
पुर्णिमा सर्विसेस
COMPLETE SOLUTIONS OF WATER TREATMENT
ALL TYPES WATER PURIFIER SERVICE
Email - purnima.services@gmail.com
8655185584
Shop No. 7, Gr. Floor , Prerna Tower, Diva - Shil Road , Diva (E) - 400612

परंपरागत एवं आधुनिक चिकित्सा में समन्वय की जरूरत

-ललित गर्ग

एक और नये चीनी वायरस ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के संक्रमण के उपचार को लेकर दुनिया भारत की प्राचीन प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धति की ओर आशाभरी निगाहों से देख रही है, क्योंकि मानव इतिहास की सबसे बड़ी एवं भयावह महामारी कोरोना के निदान में भी उसकी भूमिका प्रभावी एवं कारगर रही है। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा पद्धति ने शोध-अनुसंधान व बड़े पूंजी निवेश के चलते अप्रत्याशित स्वास्थ्य उन्नति एवं चिकित्सा क्रांति की है। बावजूद इसके आधुनिक समय में भी प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां असाध्य बीमारियों के लिये कारगर बनी हुई है। भारत ही नहीं, विदेशों में भी भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की स्वीकार्यता बढ़ी है। आयुष मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2014 में जो आयुष बाजार 2.8 अरब डॉलर था, उसका आकार बीते साल तक 43.4 अरब डॉलर हो गया है। इतना ही नहीं प्राकृतिक चिकित्सा उत्पादों का निर्यात भी दुगना हुआ है। जिससे इस पद्धति की अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता का पता चलता है। यानी इन्हें एक पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता मिल रही है। इन स्थितियों को देखते हुए यदि आधुनिक विज्ञान व परंपरागत चिकित्सा पद्धति में समन्वय बने तो मानवता कल्याण का नया रास्ता उद्घाटित होगा।

प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली चिकित्सा की एक रचनात्मक विधि है, जिसका लक्ष्य प्रकृति में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध तत्त्वों के उचित इस्तेमाल द्वारा रोग का मूल कारण समाप्त करना एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना है। यह न केवल एक चिकित्सा पद्धति है बल्कि मानव शरीर में उपस्थित आंतरिक महत्त्वपूर्ण शक्तियों या प्राकृतिक तत्त्वों के अनुरूप एक जीवन-शैली है। यह जीवन कला तथा विज्ञान में एक सम्पूर्ण क्रांति है। इसमें प्राकृतिक भोजन, विशेषकर ताजे फल तथा कच्ची व हलकी पकी सब्जियाँ विभिन्न बीमारियों के इलाज में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। योग, ध्यान एवं संतुलित जीवनशैली इस चिकित्सा के आधार हैं। प्राकृतिक चिकित्सा निर्धन व्यक्तियों एवं गरीब देशों के लिये विशेष रूप से वरदान है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से भारत का जो प्राचीन सेहत का ज्ञान सदियों से हाशिये पर रहा है, उसे पिछले एक दशक में देश-विदेश में व्यापक रूप से प्रतिष्ठापित किया गया है और भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद, योग को दुनिया में फैलाया गया है। भारत में भीषण गरीबी के चलते प्रकृति के सान्निध्य में सेहत के गुर को महसूस करते हुए महात्मा गांधी ने प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को देश में प्रतिष्ठा दी थी। आज भी उनके अनुयायी पूरे देश में इस मुहिम में जुड़े हुए हैं। जरूरी है कि सदियों के अनुभव से हासिल गुणवत्ता व प्रामाणिकता के परंपरागत ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के मध्य तालमेल की कोशिश की जाए।

पारम्परिक एवं पूरक चिकित्सा पर विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्ल्यूएचओ की वैश्विक रिपोर्ट (2019) के अनुसार, दुनिया भर में इस्तेमाल की जा रही पारम्परिक चिकित्सा की विभिन्न प्रणालियों में, एक्यूपंक्चर, हर्बल दवाएँ, स्वदेशी पारम्परिक चिकित्सा, होम्योपैथी, पारम्परिक चीनी चिकित्सा, प्राकृतिक चिकित्सा, कायरोप्रैक्टिक, ऑस्टियोपैथी, आयुर्वेद व यूनानी उपचार शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ के 170 सदस्य देशों ने अपनी आबादी द्वारा पारम्परिक चिकित्सा के उपयोग पर रिपोर्ट दी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) भी, पारम्परिक उपचार प्रणालियों के अध्ययन और अभ्यास में क्रान्ति ला रही है। आयुष शब्द आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी का संक्षिप्त रूप है। इसी आधार पर प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को आधुनिक समय में प्रासंगिक बनाने के लिये भारत सरकार में आयुष मंत्रालय बना है। इसी मंत्रालय के प्रयासों से जहां आयुष बाजार का विस्तार मिला, वहीं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उपचार में मदद मिली है। इससे रोजगार व उद्यमिता को भी नई ऊंचाइयां मिली हैं। एक ओर जहां आयुर्वेदिक दवाओं के उत्पादन से रोजगार बढ़े हैं, वहीं इसमें प्रयोग की जाने वाली जड़ी-बूटियों, फल और इससे जुड़े जैविक उत्पादों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिला है। कमोबेश इसी तरह योग से जुड़ी सामग्री का निर्यात भी तेजी से बढ़ा है। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग, आयुर्वेद, भारतीय खानपान एवं जीवनशैली को वैश्विक मान्यता मिली है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत सरकार की सहभागिता में गत वर्ष भारत के गुजरात प्रदेश के गांधीनगर शहर में प्रथम पारम्परिक चिकित्सा वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित कर गम्भीर स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने और वैश्विक स्वास्थ्य एवं टिकाऊ विकास में प्रगति को आगे बढ़ाने में, पारम्परिक, पूरक व एकीकृत चिकित्सा की उपयोगिता को स्वीकार करते हुए इसे व्यापक बनाने की अनेक योजनाओं पर सहमति जताई। विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार ने आधुनिक विज्ञान एवं टैक्नॉलॉजी के ज़रिये, पारम्परिक औषधि में निहित सम्भावनाओं को साकार करने के इरादे से एक वैश्विक केंद्र स्थापित किये जाने के समझौते पर भी हस्ताक्षर किये और गुजरात राज्य के जामनगर शहर में बनाए जाने वाले इस केंद्र की मदद से आमजन की सेहत में बेहतरी लाने और विश्व के हर क्षेत्र में सम्पर्क व लाभ सुनिश्चित किये जाने की योजना को आकार दिया जाने लगा है।

नये विश्व की विडम्बना है कि तीव्र विकास की छाया में गरीबी का भी विस्तार हुआ है। महंगी होती आधुनिक चिकित्सा पद्धति गरीब की पहुंच से दूर होती जा रही है। सरकारी चिकित्सा तंत्र मरीजों के भारी बोझ से चरमरा रहा है। ऐसे में यदि जीवन शैली में सुधार, सजगता व शारीरिक सक्रियता से लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिले तो किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसे पूरक चिकित्सा पद्धति के रूप में स्वीकार किया ही जाना चाहिए। यह सुखद है कि हम देर से ही सही, इस दिशा में आगे बढ़े हैं। हमारे आयुर्वेद के उत्पादों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की मान्यता मिलना भी एक बड़ी उपलब्धि है। इस दिशा में आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वय स्थापित कर आगे बढ़ने के लिये सही प्रयास जरूरी है। पारम्परिक चिकित्सा उत्पादों और पद्धतियों के शोध का यह उपयुक्त समय है। दुनियाभर में लोग वैकल्पिक निदानों का रुख कर रहे हैं। इससे अधिक शोध व अधिक साक्ष्य सामने आ रहे हैं और शोध के परिणाम बेहद आशाजनक दिख रहे हैं। प्राचीन संस्कृतियों द्वारा चिकित्सा हेतु प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के अलावा, आधुनिक रोगों से निपटने के लिए पारम्परिक समुदाय-आधारित स्वास्थ्य प्रथाओं का भी अभूतपूर्व महत्व है। चेचक के टीके का विकास इसका एक सशक्त उदाहरण है।

भारत की प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां के प्रति बढ़ते आकर्षण एवं रूझान को देखते हुए जरूरी हो जाता है कि हम आयुष उत्पादों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। उनको हम विज्ञान की कसौटी पर भी कसें। भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति वैश्विक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य समाधान करने में सक्षम एवं कारगर बन रही है तो हमें इस पर व्यापक शोध, अनुसंधान एवं प्रयोग को बल देना चाहिए। दरअसल, भारतीय परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां मसलन आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, योग, सिद्ध आदि पद्धतियों की धारणा रही है कि किसी रोग को दबाने के बजाय उसके कारकों का उपचार किया जाए। पारम्परिक चिकित्सा को पूर्व-वैज्ञानिक युग की पद्धति के रूप में देखा जाता है, जिसका स्थान आधुनिक, बेहतर, विज्ञान-आधारित चिकित्सा ने लिया। हालाँकि, आधुनिक विज्ञान और चिकित्सा का प्रादुर्भाव, पारम्परिक उपचारों व प्रयासों से ही हुआ है, जिसका एक लम्बा इतिहास है। आज लगभग 40 प्रतिशत फार्मास्युटिकल उत्पाद, प्रकृति और पारम्परिक ज्ञान से आते हैं, जिनमें कई महत्वपूर्ण दवाएँ शामिल हैं।

प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां का आधार हमारे विचार, खानपान और प्रकृतिमय जीवन है, जो बीमारियों को पनपने नहीं देता, यदि फिर भी कोई बीमारी आ जाती है उसका सस्ता, सरल, प्रभावी एवं सुगम इलाज पारम्परिक चिकित्सा पद्धति में है। जो हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है। प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां को विस्तारित एवं सशक्त करते हुए हमें आधुनिक चिकित्सा पद्धति की अनदेखी नहीं करनी है बल्कि समन्वय करते इंसानों को स्वस्थ बनाने की दिशा में क्रांति का शंखनाद करना है। निश्चित रूप से यदि विज्ञान व परंपरा के समन्वय का मणिकांचन संयोग होगा तो बढ़ती बीमारियों एवं महामारियों की चिन्ता को दूर करने के लक्ष्य हासिल करना ज्यादा आसान होगा।

योगी आदित्यनाथ की असली परीक्षा मिल्कीपुर, अयोध्या के उप चुनाव में होनी है

अशोक भाटिया

2024 के लोकसभा चुनाव में अयोध्या लोकसभा सीट भाजपा के हाथ से निकल जाने का जितना मलाल पार्टी को रहा, उससे ज्यादा ये लोगों के बीच चर्चा का मुद्दा बना हुआ रहा । सोशल मीडिया पर लगातार इस बारे में कोई न कोई कमेंट या बहस देखने को मिलती रही है। लोग तरह तरह की बातें करते रहे हैं। राम मंदिर बना दिया गया। सालों से तंबू में रखे गए भगवान राम को भव्य मंदिर में प्रतिष्ठित किया गया। फैजाबाद जिले का नाम अयोध्या कर दिया गया। मंडल भी अयोध्या बना दिया गया। फैजाबाद रेलवे स्टेशन अयोध्या छावनी बना दिया गया। अयोध्या स्टेशन पर यात्रियों के ठहरने के बेहतरीन इंतजाम किए गए। अयोध्या शहर का कायाकल्प भी किया गया। चौक चौराहे सजाए गए। छोटी मोटी दुकानों को तोड़, सलीके से व्यावसायिक कांप्लेक्स तमीर कर दिए गए। मंदिर बनने के बाद रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु भी अयोध्या आने लगे। शहर के आस पास बहुत सारे ओयो रूम और दूसरे होटल भी खुल गए। फिर भी आने वालों को जगह मिलने में दिक्कतें आ रही थी। उनकी संख्या जो इतनी ज्यादा थी कि सबके लिए व्यवस्था हो पाना कठिन था। इस सब से लोगों में खुशी थी। साफ दिख रहा है कि देश भर में अयोध्या जी और भगवान राम के प्रति श्रद्धा है।

लेकिन मूल बात है कि अयोध्या के लोगों को मंदिर की व्यवस्था से परेशानियों से जूझना पड़ रहा था ।मंदिर में दर्शन की बात की जाय तो चुनाव तक मंदिर में लगातार वीआईपी दर्शनार्थियों का आना लगा रहा। इस दौरान प्रशासन सुरक्षा के नाम पर ऐसा इंतजाम करता रहा कि लोगों का मंदिर के आस पास जाना दूभर हो जाता था। कहा जा सकता है कि दिक्कतों के कारण बहुसे अयोध्या झ फैजाबाद के लोग मंदिर दर्शन करने जा ही नहीं सके। मंदिर के आस पास जो भी स्कूल और अस्पताल वगैरह है वहां जाने आने में रोज लोगों को मुसीबतों से दो चार होना पड़ा । बताया जा रहा है कि बोर्ड की परीक्षाओं के दौरान एक दिन ऐसा भी आया जब किसी बहुत महत्वपूर्ण राजनेता के आने के कारण बच्चों को परीक्षा देने जाने में भारी मुसीबत हो गई थी। लग रहा था कि उनकी परीक्षा ही छूट जाएगी। इलाके के लोगों ने डीएम से संपर्क किया और तब किसी तरह बच्चे परीक्षा में शामिल हो पाए। याद रखने की जरुरत है कि अलग अलग राज्यों के विधायक झुंड बना कर दर्शन के लिए चुनाव तक पहुंचते रहे थे । उत्तरप्रदेश के विधान सभा अध्यक्ष भी सारे विधायकों को लेकर श्रीराम के दर्शन के लिए पहुंचे थे। इसके साथ ही भूमि अधिग्रहण के दौरान मंदिर के आस पास की दुकानों को तोड़ कर हटाया गया। ये लोकल लोगों में नाराजगी का एक बड़ा सबब बना। क्योंकि जिन्हें विस्थापित किया गया, उन्हें कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स में महंगी कीमतों पर दुकाने खरीदने को मजबूर होना पड़ा। मंदिर चाहिए तो भोजन भी। भोजन यानी रोजगार ।पर अब बताया जाता है कि इन सब समस्याओं को दूर कर दिया गया है यानी अब व्यवस्था भी सुधर गई है व रोजगार के अवसर भी ।

अब इस लोकसभा सीट के अन्तरगत आने वाली विधानसभा सीट मिल्कीपुर पर उपचुनाव होने जा रहा है । मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव 5 फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव के साथ होने जा रहा है । मुकाबला सपा और भाजपा के बीच ही होगा। मिल्कीपुर सीट लगातार सपा ही जीतती रही है। पिछली बार समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद ने यह सीट जीती थी। लोकसभा चुनाव में सपा ने अवधेश प्रसाद को ही अयोध्या से उतार दिया। अवधेश प्रसाद ने जीत हासिल की और मिल्कीपुर विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया। अवधेश प्रसाद के अयोध्या की लोकसभा सीट जीतने और भाजपा के हारने से पूरे देश में यह सीट चर्चा का विषय बन गई। सपा ने भी इसे खूब भुनाया भी। अवधेश प्रसाद को अखिलेश ने लोकसभा में अपने साथ सबसे आगे बैठाया। यही नहीं मिल्कीपुर सीट से अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को प्रत्याशी भी घोषित कर दिया था।

लोकसभा चुनाव के बाद यूपी में मिल्कीपुर समेत कुल 10 सीटें रिक्त हुई थीं। महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव के ऐलान के साथ ही यूपी की दस में से नौ सीटों पर उपचुनाव का ऐलान हुआ लेकिन मिल्कीपुर का चुनाव टाल दिया गया। 10 में से 9 सीटों पर नवंबर 2024 में उपचुनाव हुए थे जिसमें भाजपा और इसकी सहयोगी आरएलडी ने 7 सीटें जीती थीं, जबकि सपा के खाते में दो सीटें आई थीं। सपा नेता अवधेश प्रसाद के 2024 में लोकसभा में जाने से मिल्कीपुर विधानसभा सीट खाली हुई। साल 2022 में अवधेश प्रसाद ने मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर जीत हासिल की थी। भाजपा अयोध्या में हुए नुकसान की भरपाई करने की चुनौती का सामना कर रही है और उसने योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में शीर्ष नेताओं को प्रचार में उतारने की तैयारी की है।

अयोध्या में भाजपा के प्रवक्ता रजनीश सिंह ने बताया कि मिल्कीपुर का उपचुनाव, हार का बदला लेने का मैदान होगा। सिंह के अनुसार मुख्यमंत्री स्वयं इस चुनाव का प्रबंधन कर रहे हैं, इसलिए हारने का कोई सवाल नहीं है। दूसरी ओर, सपा कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार है। अयोध्या में सपा के जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा ,ह्यह्य यह सही है कि हम सरकार के खिलाफ लड़ रहे हैं। भाजपा ने इस उपचुनाव को जीतने के लिए पूरा सरकारी तंत्र लगा दिया है लेकिन मिल्कीपुर के लोग हमारे साथ हैं। हम अंतिम सीमा तक मेहनत से लड़ेंगे और निश्चित तौर पर यह सीट जीतेंगे।ह्वह्वभाजपा सूत्रों ने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने मिल्कीपुर में भाजपा के प्रचार की देखरेख के लिए मंत्री सूर्य प्रताप साही की अगुवाई में छह मंत्रियों को लगाया है ।इनमें जल संसाधन मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सहकारिता राज्यमंत्री जेपीएस राठौड़, आयुष मंत्री दयाशंकर सिंह, राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह और सतीश शर्मा शामिल हैं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक भी प्रचार अभियान में सक्रिय रूप से हिस्सा लेंगे।

इसमें कोई शक नहीं कि पिछले दस वर्षों में अयोध्या का अभूतपूर्व विकास हुआ है। देश के सभी हिस्सों से जोड़ने वाली ट्रेनें, भव्य रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डा पर अयोध्या के स्थानीय निवासियों को उनकी जमीनों का मुआवजा देने में भी राज्य सरकार ने भेदभाव किया। सरकार ने विकास कार्यों के लिए जमीन अधिगृहीत की किंतु बदले में किसी को अधिक पैसे मिले किसी को कम। फैजाबाद के भाजपा सांसद लल्लू सिंह और भाजपा विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने जनता की गुहार नहीं सुनी। नतीजा यह हुआ कि लोगों को सपा के विधायक अवधेश प्रसाद पसंद आए, जो लोकसभा जीतने के पहले वे मिल्कीपुर (सुरक्षित) से विधायक थे। सपा ने यहां एक बड़ा प्रयोग किया। सामान्य श्रेणी की इस सीट से दलित समुदाय (पासी) के अवधेश प्रसाद को लड़ाया और वे जीत गए। इस तरह अयोध्या में लल्लू हारे और अवधेश जीते। अवधेश शब्द राजा राम का पर्यायवाची है।

कांग्रेस-सपा के जिस गठबंधन को 2017 में नहीं चल पाया था, वह गठबंधन 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में जमकर वोट बटोरे थे । उत्तर प्रदेश के जानकारों के मुताबिक इस चुनाव में मुस्लिम वोट ने एकजुट होकर इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान किया। संविधान और आरक्षण बचाने के मुद्दे को हवा देकर इंडिया गठबंधन ने भाजपा के कोर हिंदू वोट बैंक को भी बांट दिया। अब इंडिया गठबंधन में दरार पड़ चुकी है ।दिल्ली विधानसभा चुनाव में तो यह दरार और चौड़ी हो गई है । अब चूँकि सपा ने हाल में किसी भी चुनाव में कांग्रेस का सपोर्ट नहीं किया है व दिल्ली चुनाव में वह कांग्रेस का सपोर्ट न कर आम आदमी पार्टी का सपोर्ट कर रहीं है तो उत्तर प्रदेश उपचुनाव में कांग्रेस का साथ भी नहीं मिलेगा ।

गायब होती बेटियाँः आखिर किसकी बन रहीं शिकार

-डॉ सत्यवान सौरभ

भारत में बेटियों की सुरक्षा हमेशा से ही सबसे गंभीर मुद्दा रहा है। इसे लेकर कई कानून भी बनाए गए हैं, लेकिन बावजूद इसके देश में लड़कियों के लापता होने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार के अनुसार भारत में पिछले दो साल के बीच 15.13 लाख से ज्यादा लड़कियाँ और महिलाएँ लापता हुईं हैं। अब ये महिलाएँ कहाँ गईं, इनके साथ क्या हुआ, इसके बारे में किसी को कुछ भी नहीं पता है। इन लापता लड़कियों में 18 साल से कम और उससे ज्यादा दोनों उम्र की महिलाएँ शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर रोज 345 लड़कियाँ गायब हो जाती हैं। इनमें 170 लड़कियाँ किडनैप होती हैं, 172 लड़कियाँ लापता होती हैं और लगभग 3 लड़कियों की तस्करी कर दी जाती हैं। इनमें से कुछ लड़कियाँ तो मिल जाती हैं, लेकिन बड़ी संख्या में लापता, किडनैप और तस्करी की गई लड़कियों का कुछ पता नहीं चलता। इस संख्या की गणना गुमशुदा महिलाओं और लड़कियों के सम्बंध में पुलिस स्टेशनों में दर्ज रिपोर्टों के आधार पर की है।

हालांकि सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि असल संख्या अधिक हो सकती है क्योंकि कई परिवार सामाजिक कलंक समेत विभिन्न कारणों से लापता लड़कियों की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराते हैं। आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा महिलाएँ मध्य प्रदेश से लापता हुई हैं। एमपी के बाद लिस्ट में दूसरा स्थान बंगाल का है। इन राज्यों के अलावा राजधानी दिल्ली में भी लड़कियों और महिलाओं के गायब होने के कई मामले सामने आए हैं। आंकड़ों की मानें तो केंद्र शासित प्रदेशों में राजधानी दिल्ली इस लिस्ट में सबसे ऊपर है। रिपोर्ट चौंकाने वाली है। जो लड़कियाँ गायब होती हैं, उनमें से अधिकतर का पता नहीं चल पाता कि उनके साथ क्या हुआ है? वे कहाँ गई हैं? लापता होने के पीछे राज क्या हैं? 16 दिसम्बर 2012 को दिल्ली के निर्भया कांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। इस घटना के बाद महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े कई कठोर कानून बनाए गए, लेकिन सवाल ये है कि क्या कानूनों के बनाए जाने के बाद भी देश में महिलाओं की स्थितियाँ सुधरी हैं या महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों में कोई कमी नजर आई है भारत में महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा को लेकर कई कानून बनाए गए हैं।

देश में हो रहे यौन अपराध को रोकने के लिए पुराने कानूनों में संशोधन भी किया गया और उसे कठोर भी बनाया गया है। इसके अलावा देश में 12 साल से कम उम्र की लड़कियों के साथ रेप की घटना में दोषी को मृत्युदंड सहित कई कठोर दंडात्मक प्रावधान भी तय किए गए हैं। देश भर में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई पहल की हैं, जिसमें यौन अपराधों के खिलाफ प्रभावी रोकथाम के लिए आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 शामिल है। इसके अलावा, आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2018 को 12 साल से कम उम्र की लड़कियों के बलात्कार के लिए मौत की सजा सहित और भी अधिक कठोर दंड प्रावधानों को-को निर्धारित करने के लिए अधिनियमित किया गया था। अधिनियम में बलात्कार के मामलों में दो महीने में जांच पूरी करने और आरोप पत्र दाखिल करने और अगले दो महीने में सुनवाई पूरी करने का भी आदेश दिया गया है। सरकार ने आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली शुरू की है, जो सभी आपात स्थितियों के लिए एक अखिल भारतीय, एकल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त नंबर (112) आधारित प्रणाली प्रदान करती है, जिसमें संकटग्रस्त स्थान पर फील्ड संसाधनों को कंप्यूटर सहायता से भेजा जाता है।

स्मार्ट पुलिसिंग और सुरक्षा प्रबंधन में सहायता के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए, पहले चरण में आठ शहरों-अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ और मुंबई में सुरक्षित शहर परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। फिर भी भारत में महिलाएँ आज से 10 साल पहले भी यौन अपराधियों का शिकार बनती रही है और आज भी हालात कुछ बहुत ऐसे ही हैं। देश में छेड़छाड़, अपहरण और दुष्कर्म जैसे मामले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। सरकार के तमाम दावों के बावजूद भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराध रुक नहीं रहे हैं। इसका एक मुख्य कारण इस मुद्दे को लेकर सभी राजनीतिक दलों में रुचि की कमी है। देश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर हर महिलाओं और लड़कियों को कुछ कानूनों के बारे में जानना बेहद जरूरी है। इन कानूनों में राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम, महिला सुरक्षा कानून, पॉक्सो एक्ट कानून शामिल है।

हरियाणा के हिसार में लापता बेटी की खोज में परेशान एक पिता ने मुख्यमंत्री नायब सैनी से मिलने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस ने सीएम के पास जाने से रोका तो दंपती ने आत्मदाह करने का प्रयास किया। घटना उस समय हुई जब मुख्यमंत्री का काफि ला हिसार दौरे पर था। पिता ने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्महत्या करने की कोशिश की। लेकिन मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने उसे समय रहते रोक लिया। गीता कॉलोनी निवासी के अनुसार 29 सितंबर से उसकी 16 साल की बेटी लापता है। थाने में शिकायत देकर गुमशुदगी दर्ज करवा चुके हैं। उसने बताया कि वह गाड़ी चलाता है, बेटी नौवीं कक्षा तक पढ़ी है। बताया कि 29 सितंबर की सुबह 6 बजकर 10 मिनट पर वह घर से निकली थी। लेकिन लगभग चार माह बाद भी बेटी नहीं मिली। आखिर कहाँ गायब हो जाती है देश की बेटियाँ? क्यों नहीं ढूँढ पाती बेटियों को हमारी पुलिस? इसने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकार के तमाम दावों के बावजूद भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराध रुक नहीं रहे हैं। इसका एक मुख्य कारण इस मुद्दे को लेकर सभी राजनीतिक दलों में रुचि की कमी है।

हिंदी है हम वतन है फिर हिंदी राष्ट्रभाषा क्यों नहीं

संजीव ठाकुर

हिंदी संवैधानिक रूप से तो भारत की राजभाषा है,पर इसे राष्ट्रभाषा नहीं बनाया गया है विषय चिंतनीय है ।देश में व्यवहारिक रूप से हिंदी को कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक को सर्वोपरि सम्मान नहीं मिल पाया है जिसकी हिंदी भारत में सर्वाधिक हकदार भाषा है। यह अलग बात है कि भारत देश में अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग भाषाएं बोली जाती है और स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने 22 भाषाओं को संवैधानिक रूप से मान्यता प्रदान की है, पर हमारी हिंदी सर्वाधिक बोली जाने वाली तथा लिखी जाने वाली भाषा है। देश में हिंदी बोलने तथा पढ़ने वालों की संख्या लगभग 65 से 70 करोड़ है, यह भाषा की बहुलता कथा विविधता ही है जिसके कारण भाषाई विवाद की स्थिति उभरी है, और सर्वाधिक नुकसान हिंदी को उठाना पड़ा है। वर्ष 2008 में विश्व हिंदी सम्मेलन न्यूयॉर्क (अमेरिका) में भारतीय साहित्यकारों, कवियों को चिंतकों ,प्रोफेसर, चिंतकों, पत्रकारों ने बड़े जोर शोर से संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकारिक भाषा बनाने हेतु र मान्यता देने के लिए पुरजोर कोशिश की थी। कोशिश तो हमेशा की जानी चाहिए और यह बड़ी ही सार्थक पहल भी थी, पर इसके पूर्व भारत के हिंदी साहित्य के विद्वानों को हिंदी को पहले अपने देश में राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलवाने के लिए प्रयास किया जाना चाहिए। भारतेंदु हरिश्चंद्र जी ने भी कहा है,

निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति के मूल।

बिनु निज भाषा ज्ञान के मिटत ना हिय को शूल।

देश में भाषाई विविधता के कारण हिंदी को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा है ।इसके अलावा कुछ स्वार्थी राजनीतिक के लोग नहीं चाहते कि हिंदी को सर्वोच्च सम्मान मिले और इसके लिए विभिन्न प्रकार के विरोध एवं आंदोलन भी करते रहे हैं, इसके अलावा लोगों को उकसा कर जन आंदोलन का रूप भी देने का प्रयास करते रहे हैं जो अत्यंत निंदनीय है।

देश के स्वतंत्रता आंदोलन में भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में यह महसूस किया था कि हिंदी दक्षिण भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर सबसे ज्यादा लोगों की संपर्क भाषा थी। देश के विभिन्न भाषा भाषी लोग हिंदी भाषा में ही संपर्क कर के अपने संदेश तथा सूचना एक दूसरों को प्रदान किया करते थे,और हिंदी भाषा के संपर्क सूत्रों के चलते ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अथक मेहनत कर हिंदी की सहायता से स्वतंत्रता प्राप्त की थी। हिंदी की सार्वभौमिक स्थिति एवं बड़े समुदाय द्वारा बोले जाने वाली भाषा के रूप में स्थापित होने के बाद इसे राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया गया था। हिंदी एक व्यापक भाषा है जिस की लिपि देवनागरी होने के कारण अत्यंत सरल एवं आवश्यकता अनुसार दूसरी भाषाओं को और उनके शब्दों को बड़ी सुगमता से आत्मसात करने की क्षमता तथा विशालता है। हिंदी देशवासियों की भावनात्मक भाषा भी है इसका देश की एकता तथा अखंडता में एक का बड़ा योगदान रहा है। हिंदी एक बड़ी सक्षम तथा विशाल भाषा का दर्जा भी रखती है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी ने भी कहा कि हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिस जिस ने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का बहिष्कार नहीं किया।

14 सितंबर 1949 को संविधान की सभा ने एकमत से हिंदी को भारत की राजभाषा बनाए जाने का निर्णय भी लिया इसीलिए भारत में हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाने का संकल्प लिया गया। हिंदी दिवस मनाए जाने का एकमात्र उद्देश्य इसके व्यापक प्रचार-प्रसार एवं राजकीय प्रयोजनों में इसके ज्यादा से ज्यादा उपयोग को बढ़ावा देने का है। केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में देखा गया है कि वहां पर स्लोगन दीवारों पर लिखे गए हैं कि हिंदी का उपयोग लिखने एवं पढ़ने के लिए ज्यादा से ज्यादा करें। विडंबना यह है कि भारत में ही हिंदी के प्रचार-प्रसार की हमें आवश्यकता पड़ रही है। यद्यपि ऐसा होना नहीं चाहिए। हिंदी को राष्ट्रभाषा बना कर इसका अनिवार्य रूप से उपयोग शासकीय कार्यालयों तथा जनसभाओं में किया जाना चाहिए देश के पूरे प्रदेशों में इसको समान रूप से स्वीकृत भाषा का दर्जा दिया जाना चाहिए। हमने इंग्लैंड, अमेरिका, स्विजरलैंड और अन्य देशों की यात्राएं भी है पर वहां कहीं भी उनकी अपनी भाषा के उपयोग के लिए कार्यालय में स्लोगन लिखा जाना नहीं देखा गया,तो भारत में ही क्यों। सवाल इसलिए उठता है कि हमारे दक्षिण तथा कुछ अन्य राज्यों में हिंदी को हिकारत की नजर से देख कर हिंदी वासियों से दूरी बनाई रखी जाती है। यह भी हिंदी भाषा तथा देश के लिए विडंबना ही है। एनी बेसेंट ने बिल्कुल सच कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं में जो भाषा सर्वाधिक प्रभावशाली बन कर उभरी है वह है हिंदी भाषा। जो व्यक्ति हिंदी जानता है पूरे भारत की यात्रा कर सकता है पर हिंदी बोलने वालों से हर तरह की जानकारी भी प्राप्त कर सकता है। हिंदी का बड़ा नुकसान अंग्रेजी भाषा ने भी किया है दक्षिण में स्थानीय भाषाओं के अलावा अंग्रेजी बहुतायत में बोली जाती है पर ना जाने क्यों हिंदी बोलने से बेशक परहेज करते हैं। सबको अपनी भाषा बोलने का अधिकार है पर हिंदी का अपमान करने का अधिकार देश में किसी को नहीं होना चाहिए। कई विद्वानों के सर्वे में यह तथ्य सामने आया है कि इस विश्व में हिंदी सर्वाधिक बोले जाने वाली भाषा है उसने अंग्रेजी भाषा को पीछे छोड़ दिया है। यह सर्वे की रिपोर्ट कितनी प्रमाणित है यह तो मालूम नहीं लेकिन निकट भविष्य में ऐसी संभावनाएं बन सकती है कि जब हिंदी वैश्विक भाषा बनकर तेजी से उभरेगी। हिंदी को राजभाषा से राष्ट्रभाषा बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर भी शासन ने अनेक योजनाओं को मूर्त रूप दिया है जिनमें कक्षाओं कवि सम्मेलन नाटकों संगोष्ठी में हिंदी अनुसंधान ओ हिंदी टंकण आदि के बढ़ावा देने के साथ हिंदी पत्र-पत्रिकाओं को भी आर्थिक सहायता प्रदान करने का प्रयास किया है ।दूसरी तरफ कंप्यूटर, इंटरनेट, ई बुक, विज्ञापन ,टेलीविजन तथा अन्य मीडिया के साधनों के क्षेत्र में हिंदी का अधिकतम उपयोग करने की समझाइश दी गई है, ताकि इसका विकास एवं संवर्धन किया जा सके। हिंदी भाषा भारत के अलावा मॉरीशस, फिजी, श्रीलंका जैसे देशों में बोली वह समझी जाती है। हिंदी के विशेष प्रचार प्रसार के लिए विश्व हिंदी सम्मेलन अलग-अलग देशों में आयोजित किए जाते रहे हैं। वैसे वैश्विक स्तर पर 10 जनवरी को हिंदी दिवस मनाने की परंपरा लागू की गई है। हिंदी के प्रचार प्रसार तथा संवर्धन के लिए 10 जनवरी 1975 को नागपुर में विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया गया पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी ने कहा था हिंदी का प्रचार और विकास अब कोई रोक नहीं सकता है।

अपने अतीत को कुरेदने में अधिक रुचि रखते हैं हम

यह सर्वविदित है कि भारत में वर्तमान में युवा नागरिकों की सबसे बड़ी संख्या है और दुनिया में नवीनतम कार्यबल है, जिसकी आधी आबादी 27 वर्ष से कम आयु की है और अब 15-59 वर्ष की आयु के बीच की 67.3 प्रतिशत आबादी के साथ, भारत अपने जनसांख्यिकीय शिखर पर पहुंच गया है। जाहिर है कि यह एक बड़ा लाभ है जो हमें अन्य देशों, विशेष रूप से अमरीका और चीन से आगे ले जाता है, जहां औसत आयु बहुत अधिक है और जनसंख्या वृद्ध हो रही है।

वर्तमान में हमारे पास 65 वर्ष से अधिक आयु की केवल 7 प्रतिशत आबादी है, जबकि अमरीका में यह 17 प्रतिशत और यूरोप में 21 प्रतिशत है। जापान जैसे देशों के लिए यह बहुत बुरा है जहां जनसंख्या और भी तेजी से वृद्ध हो रही है। हालांकि हमारे योजनाकारों के बीच गंभीर चिंता का विषय यह है कि देश के लिए यह जनसांख्यिकीय लाभ केवल 30 वर्षों तक ही रहेगा। इसके बाद जनसंख्या वृद्ध होने लगेगी।

इस प्रकार हमारे पास अद्वितीय लाभ का यह स्वर्णिम काल है, लेकिन सवाल यह है कि क्या हम अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए तैयार हैं या तैयारी कर रहे हैं। दुर्भाग्य से हमारे स्वास्थ्य और शिक्षा के मानदंड, जो उत्पादकता और धन सृजन के लिए प्रेरक शक्ति हैं, अभी भी खराब बने हुए हैं। यह हमारे छोटे बच्चों के लिए विशेष रूप से सच है, जो अगले कुछ दशकों में देश का संचालन करेंगे। स्पष्ट रूप से देश के विकास के इन 2 महत्वपूर्ण पहलुओं पर लगातार सरकारों द्वारा पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ती साक्षरता के बड़े-बड़े दावों के बावजूद, यह पाया गया है कि 15-49 वर्ष के आयु वर्ग में केवल 42 प्रतिशत महिलाएं और लगभग 50 प्रतिशत पुरुष 10 साल या उससे अधिक समय तक स्कूल गए हैं। 15-19 वर्ष के आयु वर्ग के वे लोग, जिन्हें अगले दशक में हमारे कार्यबल में शामिल किया जाएगा, केवल 34 प्रतिशत महिलाओं और 36 प्रतिशत पुरुषों ने कम से कम 12 साल की शिक्षा पूरी की है और यह सिर्फ शिक्षा के वर्षों की बात नहीं है। यहां तक कि प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा की गुणवत्ता भी संतोषजनक नहीं है। वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट, 2023 में पाया गया कि राष्ट्रीय स्तर पर 17-18 वर्ष के आयु वर्ग में केवल 77 प्रतिशत लोग कक्षा 2 की किताबें पढ़ सकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कोविड महामारी ने शिक्षा को, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, झटका दिया है, लेकिन यह समस्या लंबे समय से बनी हुई थी और इसे आवश्यक बढ़ावा देने के लिए बहुत कम प्रयास किए गए हैं।

शिवसेना शिंदे गुट में बड़ी संख्या में मनसे पदाधिकारी व कार्यकताओं ने किया प्रवेश

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के परिणाम आने पर पालघर विधानसभा में मिली सफलता के बाद से ही शिवसेना शिंदे गुट में अन्य पार्टियों के लोगों के प्रवेश का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले के बीच शिवसेना में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के पालघर ग्रामीण जिला प्रमुख समीर मोरे तथा पालघर लोकसभा जिला सचिव दिनेश गवई के साथ मनसे के तहसील स्तर के पदाधिकारियों के अलावा विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, उप सरपंच, ग्राम पंचायत सदस्यों समेत बड़ी संख्या में मनसे कार्यकताओं ने ठाणे शहर के टेंभी नाका पर शिवसेना प्रमुख व महाराष्ट्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की विशेष उपस्थिति में प्रवेश किया। इस अवसर पर पालघर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेंद्र गावित व शिवसेना पालघर जिला प्रमुख कुन्दन संखे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बतादें कि शिवसेना प्रमुख व महाराष्ट्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कुशल नेतृत्व से प्रभावित होकर तमाम पार्टियों के प्रमुख पदाधिकारी अपने समर्थकों के साथ शिवसेना में शामिल हो रहे हैं। वहीं शिवसेना शिंदे गुट पालघर जिला प्रमुख कुन्दन संखे के नेतृत्व में पिछले कुछ महीनों से शिवसेना पार्टी का संगठनात्मक निर्माण तथा पार्टी प्रवेश का कार्य चल रहा है। वहीं पालघर विधानसभा चुनाव की सफलता के बाद से ही शिवसेना शिंदे गुट में बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं। मनसे पदाधिकारी समीर मोरे व दिनेश गवई के अपने समर्थकों के संग शिवसेना शिंदे गुट में शामिल होने पर शिवसेना जिला प्रमुख कुंदन संखे ने खुशी जाहिर करते हुए पार्टी को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद जताई है।

पॉलिसीबाजार की साझेदारी में बंधन लाइफ इंश्योरेंस ने आईइन्वेस्ट पेंशन प्लान लॉन्च किया

मुंबई। पॉलिसीबाजार की साझेदारी में बंधन लाइफ इंश्योरेंस ने आईइन्वेस्ट पेंशन प्लान लॉन्च किया है। यह एक यूलिप पेंशन पॉलिसी है, जिसे ग्राहकों को रिटायरमेंट के लिए बचत करने में मदद करने के लिए बनाया गया है। ट्रैडिशनल यूलिप के विपरीत, इस योजना में मैच्योरिटी बेनिफिट का उपयोग एनुअटी प्लान खरीदने के लिए किया जाता है, जिससे रिटायरमेंट के बाद भी आपको जीवन भर एक नियमित आय मिलती रहती है। न्यू फंड, जीरो एलोकेशन और एडमिन चार्ज, रिटर्न ऑफ मोर्टेलिटी चार्ज, बिना मेडिकल चेकअप के पॉलिसी, और पॉलिसीबाजार के जरिए तुरंत जारी होने वाली सुविधाओं के साथ, यह प्लान रिटायरमेंट के लिए बचत करने और रिटायरमेंट के बाद एक स्थिर आय सुनिश्चित करने के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। बंधन लाइफ आईइन्वेस्ट पेंशन कंपनी के पेंशन एन्हांस्ड इक्विटी फंड, पेंशन डेट फंड और एक नए फंड लॉन्च तक पहुंच प्रदान करती है, जो आईइन्वेस्ट पेंशन की खरीद के माध्यम से उपलब्ध है। नया फंड 09 जनवरी से 15 जनवरी 2025 तक 10 रुपये की एनएवी पर उपलब्ध होगा। बंधन लाइफ आईइन्वेस्ट पेंशन की मुख्य विशेषताओ में रिटायरमेंट फंड का निर्माण, टैक्स बेनिफिट के साथ रिटायरमेंट इनकम, फ्लेक्सिबल निवेश विकल्पों के साथ बाजार से जुड़ा विकास, पर्याप्त लाइफ कवर, कोई छिपा हुआ शुल्क नहीं, लॉयल्टी एडिशन और मोर्टेलिटी चार्ज रिटर्न, इमरजेंसी फंड तक पहुंच और आंशिक निकासी, पॉलिसी अवधि में फ्लेक्सिबिलिटी, तत्काल जारी करना आदि शामिल हैं। पीबी फिनटेक के ज्वाइंट ग्रुप सीईओ सरबवीर सिंह ने कहा, ह्लपरिवार की बदलती संरचनाओं और बढ़ती जीवन प्रत्याशा के साथ, एक अच्छी रिटायरमेंट पॉलिसी की जरूरत अब पहले से कहीं ज्यादा महसूस हो रही है। बंधन लाइफ इंश्योरेंस के साथ पॉलिसीबाजार की साझेदारी नए वित्तीय उत्पादों की पेशकश करके ग्राहकों की लंबे समय की जरूरतों को पूरा करने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को दशार्ती है। यह प्रोडक्ट लोगों को फ्लेक्सिबल और लंबे समय के लिये वित्तीय स्थिरता के साथ एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करता है। साथ ही उन्हे रिटायरमेंट के बाद के वर्षों के लिए कुशलतापूर्वक योजना बनाने में सशक्त बनाता है। बंधन लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ, सतीश्वर बी ने कहा की, ह्लभारत में रिटायरमेंट प्लानिंग की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के लिए, हम बंधन लाइफ आईइन्वेस्ट पेंशन लॉन्च करते हुए काफी उत्साहित हैं। बंधन लाइफ में, हम समझते हैं कि किसी के सुनहरे वर्षों में वित्तीय सुरक्षा कितनी महत्वपूर्ण होती है। यह योजना ग्राहकों को उनके रिटायरमेंट के दिनों के लिए फंड बनाने का एक फ्लेक्सिबल, भरोसेमंद और टैक्स के हिसाब से लाभकारी तरीका प्रदान करती है।

तर्पण फाउंडेशन द्वारा चौथा तर्पण युवा पुरस्कार 2025 का आयोजन

ठाणे/नवी मुंबई। तर्पण फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किया जाने वाला तर्पण युवा पुरस्कार 2025 समारोह सोमवार, 13 जनवरी, 2025 को शाम 6 बजे पाटकर हॉल, श्रीमती नाथीबाई दामोदर ठाकरे महिला विश्वविद्यालय (एसएनडीटी), चर्चगेट, मुंबई में आयोजित किया जाएगा। तर्पण फाउंडेशन हर साल दो पुरस्कार देता है। एक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व जिन्होंने अनाथों के क्षेत्र में महान कार्य किया है। दूसरा पुरस्कार अनाथ बच्चों के लिए काम करने वाले एक संगठन को सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष, तर्पण फाउंडेशन पहली बार तीसरा पुरस्कार दे रहा है, जिसके तहत अलग संवेदनशीलता के साथ काम करने वाले व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित किया जाएगा। इस वर्ष के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में चंद्रकांतदादा पाटिल (मंत्री, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, महाराष्ट्र राज्य) उपस्थित रहेंगे। तथा विशेष अतिथि के रूप में अदिती तटकरे (मंत्री, महिला एवं बाल विकास, महाराष्ट्र राज्य) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। इस समारोह में डॉ. उज्ज्वला चक्रदेव, डॉ. हुजेफा खोरेकीवाला, कृष्णकुमार गोयल और नित्यानंद चरण दास जैसे विशिष्ट अतिथियों का इस अवसर पर सम्मान किया जाएगा। यह पुरस्कार तर्पण फाउंडेशन द्वारा उत्कृष्ट युवा योगदानकताओं को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है। इस वर्ष का समारोह समाज के लिए प्रेरणादायी होगा, ऐसा विश्वास संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक विधायक श्रीकांत भारतीय ने विश्वास व्यक्त किया है। यह पुरस्कार समारोह युवा पीढ़ी को उनकी उपलब्धियों के लिए मान्यता देने और प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित किया जाता है। आयोजकों ने मुंबई के नागरिकों और छात्रों से बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

पार्कसाइट पुलिस की कार्रवाई, नागरिकों के 13 लाख के आभूषण और मोबाइल फोन लौटाए गए

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पुलिस परिमंडल 7 के विभिन्न पुलिस थानों के अंतर्गत आने वाले इलाकों में में खोए हुए और चोरी हुए लाखों रुपये मूल्य के मोबाइल फोन पिछले सप्ताह नागरिकों को वापस किए गए । जिसमें घाटकोपर और पंतनगर शामिल हैं। इसी तरह विक्रोली पार्कसाइट पुलिस ने महंगे मोबाइल फोन और सोने के आभूषणों सहित 13 लाख 60 हजार रुपये का कीमती सामान नागरिकों को लौटाया है। यह कार्य पुलिस उपायुक्त विजयकांत सागर के मार्गदर्शन में किया गया है। पार्कसाइट पुलिस स्टेशन क्षेत्र में खोए और चोरी हुए 13 लाख 60 हजार रुपये मूल्य के 102 मोबाइल फोन और सोने के आभूषण वापस मिल गए हैं। पार्कसाइट पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संतोष घाटेकर के निर्देश पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। पार्कसाइट पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर विभिन्न अपराधों में चोरी हुए और नागरिकों द्वारा खोए गए मोबाइल फोन को सीईआईआर (केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर) के

माध्यम से पार्कसाइट पुलिस स्टेशन में पंजीकृत किया गया। चोरी का सामान बस स्टॉप और पार्कसाइट पुलिस स्टेशन क्षेत्र में बसों में यात्रियों की जेबों और शरीर से चुराया गया था। बस यात्रा के दौरान खोए गए कुल 102 मोबाइल फोन अब तकनीकी विश्लेषण के बाद बरामद कर लिए गए हैं। एक अन्य दर्ज मामले में शिकायतकर्ता द्वारा दिए गए बयान के आधार पर चोरी का मामला भी दर्ज किया गया। तकनीकी विश्लेषण और गुप्त समाचार चैनलों से प्राप्त खुफिया जानकारी की मदद से 24 घंटे के भीतर ही आरोपी को कल्याण से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और अपराध में चुराई गई संपत्ति, लगभग 2 तोला सोने की छड़ें (मूल्य 1 लाख 60 हजार रुपये) बरामद कर शिकायतकर्ता को वापस कर दी गईं। इस बीच, अन्य अपराधों में जब्त किए गए आभूषण और मोबाइल फोन नागरिकों को वापस कर दिए गए हैं। इस दौरान पुलिस आयुक्त विवेक फनसलकर, देवेन भारती (विशेष पुलिस आयुक्त), सत्यनारायण चौधरी (संयुक्त पुलिस आयुक्त, कानून एवं व्यवस्था), डॉ. महेश पाटिल (अपर पुलिस आयुक्त, पूर्वी क्षेत्रीय विभाग), विजयकांत सागर, पुलिस उपायुक्त, जोन 7, प्राची कर्णे (सहायक पुलिस आयुक्त), वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संतोष घाटेकर, पुलिस निरीक्षक (अपराध) प्रमोद सानप के मार्गदर्शन में , सहायक पुलिस निरीक्षक प्रकाश बोराडे, पुलिस उपनिरीक्षक मनोज चव्हाण, अमलदार मनोहर शिंदे, अजीत पाटिल और अपराध दस्ते द्वारा तत्परता के साथ जांच की गई है।

पुलिस ने किया जिस्मफरोशी के गोरख धंधे का पर्दाफाश

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण में पुलिस ने सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई में चार लोगों की गिरफ्तारी की गई, जिनमें तीन महिलाएं शामिल है। साथ ही वैश्यावृत्ति के धंधे में धकेला गई 13 महिलाओं को पुलिस ने इस दलदल से छुड़ाया है। जानकारी के मुताबिक सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने कल्याण स्टेशन परिसर में छापा मारा। पुलिस ने बताया कि बस स्टॉप के पीछे खुले में अवैध गतिविधियां चल रही थी। इस ऑपरेशन में पुलिस को जिस्मफरोशी के गोरख धंधे का पर्दाफाश करने में सफलता मिली। सेक्स रैकेट चलाने के आरोप में पुलिस चार आरोपियों को हिरासत में लिया।

वहीं उन 13 महिलाओं को बचाया गया, जिनसे वैश्यावृत्ति कराई जा रही थी। आरोपियों पर मामला दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुटी है। साथ इस रैकेट में कोई और भी शामिल है या नहीं इसकी जांच की जा रही है।

काई कैन फेस रेजर महिलाओं के चेहरे से अनचाहे बालों को हटाने का सर्वश्रेष्ठ विकल्प

नई दिल्ली/मुंबई। कोई भी महिला अपने चेहरे पर आने वाले अनचाहे बालों को पसंद नहीं करती और चाहती है कि उनके चेहरे की त्वचा भी सुंदर व स्मूद दिखाई दे। जापान के प्रमुख रेजर एवं ब्यूटी टूल्स के ब्राण्ड काई का कैन फेस रेजर चेहरे के अनचाहे बालों को दर्द रहित हटाने के लिए कैन फेस रेजर बहुत ही सुरक्षित व सर्वश्रेष्ठ विकल्प है। काई कैन फेस रेजर को खासतौर पर महिलाओं के चेहरे जैसे पीच फज, आइब्रो, अपर लिप्स, फोरहेड के अनचाहे बालों को हटाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके ब्लेड् को विशेष रूप से पीटीएफइ तकनीक के साथ डिजाइन किया गया है जो कम फोर्स के साथ स्मूद शेव में मदद करता है। काई कैन फेस रेजर ब्लेड क्रोमियम कोटिंग के साथ आते हैं जो इसे जंग प्रतिरोधी और लंबे समय तक शार्प रखते है। इसमें प्रोटेक्टिव स्किन गार्ड के साथ डबल कोटेड स्टेनलेस स्टील ब्लेड हैं जो शेव करते समय नाजुक त्वचा की रक्षा करते हैं और कटने से बचाते हैं। काई कैन फेस रेजर सुरक्षात्मक ब्लेड कवर के साथ आता है जो इसे यात्रा के अनुकूल बनाता है और ब्लेड को धूल व गन्दा होने से बचाता है। काई इंडिया के हेड ऑफ मार्केटिंग श्री हितेश सिंगला ने इस प्रोग्राम के इम्पैक्ट पर बात करते हुए कहा, "कैन फेस रेजर सभी प्रकार की त्वचा के लिए उपयुक्त हैं और इसका ब्लेड आसानी के साथ सबसे छोटे बालों को भी हटा देता है। कैन फेस रेजर की एंटी-स्लिप प्लास्टिक लेयर हैंडल शेविंग करते समय सही ग्रिप देता है और घर पर ही स्मूद फेस हेयर रिमूवल का अनुभव प्रदान करता है। काई इंडिया का मानना है कि हर महिला सर्वश्रेष्ठ की हकदार है, और कैन फेस रेजर आपको एक सुखद अनुभव देगा।

एक करोड़ 65 लाख की निधी से सीसी रोड व नाली निर्माण का भूमिपूजन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। टिटवाला के बल्याणी वार्ड में विकास कार्य की झड़ी लगी हुई है। वार्ड की पूर्व नगरसेविका नमिता मयूर पाटिल के माध्यम से विभिन्न बुनियादी सुविधाओं का उद्घाटन किया जा रहा है। इस संबंध में गुरुवार को बल्याणी वार्ड के ऊंभारणी में कल्याण-डोंबिवली महापालिका स्कूल में रूम के निर्माण के साथ ही बल्याणी गांव में सीसी रोड और नाला निर्माण का भूमिपूजन किया गया। बतादें कि मनपा में भले ही प्रशासनिक राज हो, लेकिन पूर्व नगरसेविका नमिता मयूर पाटिल चुनाव के दौरान नागरिकों से किए गए वादों को पूरा करने के लिए हमेशा विशेष प्रयास करती हैं। इस संबंध में मयूर पाटिल ने बताया कि

जब नमिता पाटील शिक्षा समिति की सभापति थीं, तब उन्होंने इस बात पर विशेष ध्यान दिया था कि बल्याणी और ऊंभारणी क्षेत्रों के स्कूलों को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है। नतीजतन, ऊंभारणी के आरक्षित भूखंड पर एक उर्दू स्कूल बनाया गया। छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, स्कूल में कक्षाओं की संख्या बढ़ाई जाएगी। 13 नई कक्षाएं बनाने का कार्य का शिलान्यास किया गया। इस कार्य के लिए महानगरपालिका की ओर से 1 करोड़ 65 लाख रुपए की धनराशि उपलब्ध कराई गई है। स्कूल के शिक्षकों और शिवसेना पदाधिकारियों की मौजूदगी में इसका शिलान्यास किया गया। वहीं बल्याणी गांव में सिद्धार्थ जाधव के घर से टावर तक जाने वाली सड़क की हालत खस्ता होने से स्थानीय नागरिकों को आवागमन में परेशानी हो रही थी। नागरिकों की परेशानी को देखते हुए 75 लाख रुपए की लागत से इस स्थान पर सीसी रोड व नाली का निर्माण कराया जाएगा। भूमि पूजन समारोह में शिवाजी गोंधले, अरविंद पाटिल, महेश पाटिल, अरफात गूजर, राजू पाटिल, जक्की पाकुर्डे, भरत माढवी, दशरथ गायकर, देवेंद्र गोंधले, सूरज पावशे, प्रदीप घानेकर, सिद्धार्थ जाधव, दिनेश जाधव, संदेश जाधव आदि शिवसेना शिंदे गुट के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता मौजूद थे।

मुलुंड पूर्व में कोंकण महोत्सव का आयोजन

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। मुलुंड पूर्व में 28 दिसंबर से 12 जनवरी तक कोकण महोत्सव का आयोजन किया गया है। भाजपा के पूर्व नगर सेवक प्रकाश गंगाधरे द्वारा आयोजित इस महोत्सव में महाराष्ट्र के कोकण प्रांत की झलक दिख रही है। इस आयोजन में कोकण के नाना प्रकार के व्यंजनों का लुफ्त उठाया जा सकता है। इसके अलावा हस्तकला वह छोटे-छोटे व्यवसाय महिला बजटगट द्वारा बनाए गए सामानों का स्टाल लगा है। जहां पर आपको कोकण की सुंदरता देखने को मिल जाती है।

पूर्व नगर सेवक गंगाधरे का कहना है कि हम कोकण महोत्सव के माध्यम से मुलुंडकरों को कोकण के उत्सव के बारे में बताने का प्रयास कर रहें हैं। हमनें कोकणी संस्कृति सभ्यता की झलक दिखाने का प्रयास किया हें । हम मराठी सहित सभी प्रांत के लोगों को इस उत्सव में सादर आमंत्रित करते हैं। जिससे वे कोंकणी कल्चर से रूबरू होकर वहाँ की झलक को यहां देख सके।

इस आयोजन में पत्रकार अनिल शुक्ला, पत्रकार अविनाश पांडेय, आरटीआई एक्टिविस्ट अनिल गलगली, अधिवक्ता संतोष दुबे ,अधिवक्ता सत्यम दुबे सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

महिला सम्मेलन एवं जन प्रतिनिधि प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया सफल आयोजन

पालघर (उत्तरशक्ति)। एकीकृत बाल विकास सेवा योजना परियोजना पालघर के अंतर्गत ग्राम पंचायत वेढी क्षेत्र के ईंट भट्टी पर बुधवार 8 जनवरी 2025 को महिलाओं के लिए विशेष बैठक एवं जन प्रतिनिधियों के लिए प्रशिक्षण मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल कल्याण की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गयी तथा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्या सरिता सुतार, पंचायत समिति सदस्या रेखा तरे, वेढी गांव के सरपंच नचिकेत पाटील, उप-सरपंच अभिजीत पाटील के अलावा विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, उप-सरपंच व सदस्य उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में ईंट भट्ठा व गांव की करीब 100 महिलाएं, बच्चे व किशोरियां भी शामिल हुईं। कार्यक्रम का मुख्य मार्गदर्शन सीडीपीओ अमोल पवार ने किया। मुख्य सेविका सुरेखा सुरवसे ने महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। लायंस क्लब केलवा विभाग अध्यक्ष डॉ. हर्षल के सहयोग से उपस्थित लाभार्थियों को स्वच्छता किट वितरित किये गये। इस कार्यक्रम के दौरान ईंट भट्टी के कक्षा पांच से दसवीं तक पढ़ने वाली किशोरियों को पठन सामग्री उपहार स्वरूप भेंट की गई। टी.एच.आर. (टेक होम राशन) से तैयार विभिन्न व्यंजनों का भी प्रदर्शन किया गया। ग्राम पंचायत वेढी की ओर से महिलाओं को जूट बैग देकर सम्मानित किया गया। आंगनवाड़ी सेविकाओं ने नुक्कड़ नाटक कर नशामुक्ति, स्कूल ड्रॉपआउट और पोषण विषय पर लोगों को जागरूक किया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एडवन के माध्यम से लाभार्थियों के स्वास्थ्य जांच के साथ ही साथ उनका उपचार भी किया गया। कार्यक्रम का समापन ईंट भट्टे की महिलाओं और बच्चों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक तारपा नृत्य के साथ हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्राम पंचायत वेढी, ईंट भट्टा मालिक सागर कवली तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रवीण भावसार व परियोजना अधिकारी अमोल पवार ने बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का नियोजन कल्पना पिंपले द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों द्वारा एकीकृत बाल विकास विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शॉल, श्रीफल भेंटकर उनके कार्यों की सराहना की गई।

अंधेरी पूर्व विधानसभा में भाजपा की ओर से कैलेंडर विमोचन का कार्यक्रम संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। नववर्ष के अवसर पर मुंबई में अनेक राजनीतिक और सामाजिक संगठनों की ओर से कैलेंडर विमोचन का कार्यक्रम किया जा रहा है। इसी तरह अँधेरी पूर्व विधानसभा के वार्ड क्रमांक ७९ में गुरुवार की सुबह भाजपा मुम्बई सचिव व अजय चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय तिवारी द्वारा ₹ कैलेंडर विमोचन कार्यक्रम ₹ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि अँधेरी पूर्व विधानसभा के विधायक मुरजी भाई पटेल व सिद्धिविनायक ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष पवन त्रिपाठी थे। जबकि विशेष अतिथि मुंबई हिंदी पत्रकार संघ के अध्यक्ष आदित्य दुबे, इन्द्रसेन उपाध्याय , प्रमोद पांडेय थे। कैलेंडर विमोचन समारोह में प्रमुख

रूप से रामजी पांडेय , भास्कर नाकटे , नरेंद्र शुक्ला ,रोहित रावल , जय प्रकाश चौबे , उत्तम पांडेय , सुभाष दुबे ,सुनील करपे,पंकज पांडेय , साहब लाल चौबे थे। इस दौरान भाजपा मुंबई सचिव अजय तिवारी ने उपस्थित लोगों को नववर्ष और मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में कल्पना पाटणकर ,प्रियंका मुंगेकर, साधना मिश्रा ,आरती मशुरकर ,रजनी पाटिल ,गीता दरवेशी ,मनीषा यादव , अपूर्वा सावंत ,श्रमिका घडिगावकर का योगदान सराहनीय रहा। कैलेंडर विमोचन समारोह में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। मेहमानों का स्वागत अजय तिवारी ने किया।

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रदूषण मुक्त एवं स्वच्छता की स्थिरता बनाए रखने हेतु जन आंदोलन

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में व्यक्तिगत शौचालय, ठोस अपशिष्ट एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन को पारिवारिक स्तर पर अपनाना, स्वच्छता की आदत अपनाना, नियमित रूप से इनका उपयोग करने वाले परिवारों को प्रोत्साहित करना, उनका अनुकरण करना, अन्य ग्रामीणों, परिवार के सदस्यों को प्रदान करना उनके घरों में या क्षेत्र में उनकी तरह व्यक्तिगत स्वच्छता सुविधाओं के साथ ₹स्वच्छ मेरा आंगन₹ अभियान 1 से 20 जनवरी 2025 तक चलाया जा रहा है। इस अभियान को जिले में प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए जिला परिषद के अध्यक्ष प्रकाश निकम ने जिला परिषद की स्थायी समिति से अपील की।

ग्रामीण लोगों की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार के लिए स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा.) चरण -2 के तहत विभिन्न स्वच्छता कार्य किए जा रहे हैं। यह अभियान 1 से 20 जनवरी तक चलाया जाना है। 21 से 24 जनवरी की अवधि में ग्राम जल आपूर्ति एवं स्वच्छता समिति को व्यक्तिगत स्तर पर शौचालयों के

उपयोग, ठोस अपशिष्ट एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन का सत्यापन कर परिवारों का चयन किया जाना है। इसके लिए उनके या इलाके में घरेलू कूड़ादान, व्यक्तिगत कूड़ादान, नाबदान, व्यक्तिगत शौचालय, घरेलू कचरा डिब्बे आदि जैसी सुविधाएं होनी आवश्यक है। उत्कृष्ट प्रबंधन वाले परिवारों को 26 जनवरी 2025 को ग्राम सभा में सरपंच एवं ग्राम पंचायत अधिकारियों के संयुक्त हस्ताक्षर से प्रशस्ति पत्र, श्रीफल व पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया जायेगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी भानुदास पालवे ने कहा कि जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के परियोजना निदेशक अतुल पारस्कर के नेतृत्व में 'स्वच्छ मेरा आंगन' अभियान लागू किया गया है। सभी पंचायत समिति स्तरों पर समूह विकास अधिकारियों के साथ पत्राचार एवं बैठकें की गई हैं और इस स्वच्छ मेरा आंगन अभियान को ग्राम स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा।

स्वच्छ मेरा आंगन अभियान का उद्देश्य

(1) व्यक्तिगत शौचालयों का नियमित उपयोग

(2) परिवार के सभी सदस्यों द्वारा दैनिक स्वच्छता और शौचालयों का सतत उपयोग (3) घरेलू स्तर पर दैनिक ठोस कचरे की छंटाई, घरेलू स्तर पर गीले और सूखे कचरे को डिब्बे में छांटना(4) छांटे गए घरेलू कचरे के कंपोस्ट ढेर या घरेलू कंपोस्ट ढेर बनाकर घर पर या घर के आसपास कचरे का प्रबंधन।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बरसठी पुलिस ने फरार चले रहे अभियुक्त के घर पर चस्पा किया कुर्की का नोटिस

बरसठी,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बरसठी पुलिस द्वारा 6 माह से अधिक समय से फरार चले रहे अभियुक्त राजनाथ यादव पुत्र केसनाथ यादव निवासी पल्टूपुर थाना बरसठी जौनपुर के विरूद्ध न्यायालय के आदेश धारा 82 सीआरपीसी (कुर्की उद्घघोषणा) की कार्यवाही की गयी। डॉ0 कौस्तुभ, पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा जनपद मे अपराध की रोकथाम के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ जौनपुर के पर्वेक्षण में प्रभारी निरीक्षक राजेश यादव थाना बरसठी जौनपुर मय नि0 प्रमोद कुमार यादव व हमराहियान के थाना बरसठी पर पंजीकृत मु0अ0सं0 103/24धारा147, 148,149, थाना 427, 323, 302, 504, 506,325, 307

भा0द0वि0 में फरार चल रहे अभियुक्त के घर गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा बार -बार उसके घर व सम्भावित स्थानो पर तलाश के बावजूद न मिलने पर न्यायालय के आदेश के क्रम में फरार अभियुक्त राजनाथ यादव पुत्र केसनाथ यादव निवासी पल्टूपुर थाना बरसठी जौनपुर के विरुद्ध 82 सीआरपीसी के तहत कार्यवाही की गयी। अभियुक्त के घर न्यायालय के आदेश की नोटिस समक्ष गवाहान एक प्रति चस्पा कर कुर्की की उद्घोषणा (82 सीआरपीसी) की कार्यवाही विधि पूर्वक सम्पादित किया गया तथा गाँव मं डुग्गी पिटवाकर 82 सीआरपीसी की कार्यवाही के सम्बन्ध में उद्घघोषणा की गयी कि नियत समय पर यदि न्यायालय में हाजिर नही होता है तो उसके विरूद्ध धारा 83 सीआरपीसी कुर्की की कार्यवाही अम्ल में लायी जायेगी।

बीएचयू में नौकरी की भरमार, 12वीं से पीएचडी तक के लिए नौकरियां, दो लाख रुपये तक होगी सैलरी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के बीएचयू में अगले पांच साल तक रिसर्च के लिए 43 साइंटिस्ट और नॉन टीचिंग स्टाफ की भर्तियां होंगी। मिजार्पुर स्थित साउथ कैंपस बरकछा में सीनियर व जूनियर साइंटिस्ट और कई नॉन टीचिंग पदों पर नियुक्तियां होंगी। इनका मासिक वेतन 30 हजार से लेकर 2 लाख रुपये तक होगा। योग्यता 12वीं से पीएचडी तक है। बीएचयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। साइंटिस्ट पद के लिए आवेदन का शुल्क एक हजार और नॉन टीचिंग स्टाफ के लिए 500 रुपये देने होंगे। नॉन टीचिंग पोस्ट में न्यूनतम उम्र जनरल में 18-30 साल, ओबीसी में 18-33 साल और एससी/एसटी में 18 से 35 साल तक तय किया गया है। जबकि टीचिंग पोस्ट के लिए उम्र की कोई बाध्यता नहीं है। फॉर्म भरने की अंतिम तिथि छह फरवरी की शाम 5 बजे तक है। वहीं फॉर्म और दस्तावेज की हार्ड कॉपी मेन कैंपस स्थित होलकर भवन में 11 फरवरी तक जमाकर देनी होगी। गेहूं, चावल, दाल, सरसो और बीज पर रिसर्च इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च के ऑल इंडिया कोऑर्डिनेटेड रिसर्च प्रोजेक्ट के तहत ये नियुक्तियां की जा रही हैं। साउथ कैंपस में गेहूं,

चूके नहीं जल्दी करें आवेदन

चावल, दाल, सरसो और बीज पर रिसर्च के काम को आगे बढ़ाया जाएगा। टीचिंग स्टाफ में मैटर स्पेशलिस्ट, जूनियर पैथालॉजिस्ट, मेज ब्रीडर, वहीं नॉन टीचिंग में सपोर्टिंग स्टाफ, प्रोग्राम असिस्टेंट, फार्म मैनेजर आदि पद होंगे। नौ कैटेगरी में होंगे नियुक्तियां वेतनमान के अनुसार कुल नौ कैटेगरी में वैज्ञानिकों और एक्सपर्ट्स की नियुक्तियां साउथ कैंपस के कृषि विज्ञान केंद्र में होंगी। पे-बैंड लेवल 4 से लेकर एकेडमिक लेवल 14 तक के बीच वेतन होगा। यानी कि 25500-81000 से लेकर 1,44200- 2,18200 रुपये तक। चयन की प्रक्रिया समर्थ पोर्टल से ही पूरी की जाएगी। लेवल 14 के लिए पीएचडी के साथ 10 साल का अनुभव लेवल 14 के लिए पीएचडी उपाधि के साथ ही 10 साल का अनुभव भी होना चाहिए। लेवल 13-ए के लिए पीएचडी के साथ आठ साल का अनुभव, वहीं लेवल 10 के लिए एमएससी और एच्छिक पीएचडी डिग्री की योग्यता चाहिए। जबकि लेवल-6 और लेवल- 5 के लिए एमएससी-बीएससी और लेवल 4 के लिए 12वीं की योग्यता जरूरी है। लेवल-14 में दो पदों पर प्लांट ब्रीडिंग के प्रिंसिपल साइंटिस्ट और वाटर कंजर्वेशन इंजीनियरिंग में चीफ साइंटिस्ट की नियुक्ति होगी। लेवल 13 ए के आठ और लेवल 10 और लेवल 10 (एएल) पर 18 वैज्ञानिकों और एक्सपर्ट्स एक्सपर्ट का चयन किया जाएगा। बाकी लेवल 6, 5 और 4 पर भर्तियां होंगी।

जहरीली शराब कांड मामले में सपा विधायक रमाकांत यादव कोर्ट में पेश

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के विधायक रमाकांत यादव को बृहस्पतिवार की सुबह फतेहगढ़ जेल से कड़ी सुरक्षा के बीच पेशी के लिए आजमगढ़ लाया गया। रमाकांत यादव एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुए।जहां जहरीली शराब कांड मामले में अपना बयान दर्ज कराया। वहीं, गैंगस्टर कोर्ट में भी रमाकांत यादव की पेशी हुई। कोर्ट से निकलते ही उन्होंने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। कहा कि हमारे ऊपर फर्जी मुकदमा लगाया जा रहा है। साथ ही जेल में न तो दवा दी जाती है और न ही ठीक से खाना-पीना दिया जाता है। एमपी-एमएलए कोर्ट में पूर्व सांसद व फूलपुर पवई से वर्तमान सपा विधायक रमाकांत यादव की पेशी हुई। उनके खिलाफ माहुल में जहरीली शराब पीने से हुई मौत मामले में मुकदमा दर्ज है। रमाकांत यादव को फतेहगढ़ जेल से कड़ी सुरक्षा के बीच एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश किया गया। इसके बाद गैंगस्टर कोर्ट में उनकी पेशी हुई। कोर्ट के खुलने तक रमाकांत वहीं पर रहे। पेशी से लौटते समय मीडिया से जैसे ही उन्होंने कहा कि फर्जी मुकदमा लगाया जा रहा हमारे ऊपर, आजम खां और सोलंकी पर। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य ठीक नहीं है। जेल में दवा नहीं मिलती है। खाना-पीना भी ठीक नहीं मिलता। आज आदेश हो जाएगा तो मिलने लगेगा। उनके इतना बोलने के साथ पुलिस ने मीडिया कर्मियों को हटाना शुरू कर दिया।

कहा– जेल में ठीक से नहीं मिल रहा दवा व खाना

भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं ने किया भक्तों को भाव-विभोर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) जौनपुर द्वारा सिद्धार्थ उपवन में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर भक्तों ने भक्ति का अद्भुत अनुभव किया। कथा व्यास कमल लोचन प्रभु जी (अध्यक्ष, इस्कॉन मीरा रोड–मुंबई एवं वापी–गुजरात) ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन करते हुए भक्तों को आध्यात्मिक आनंद से सराबोर कर दिया।कमल लोचन प्रभु जी ने अपने प्रवचनों में कहा जनता का एक बड़ा हिस्सा खुद ही हर चीज को अपने सही नजरिए से देखने में अंधा है और अब उन्हें विभिन्न राजनीतिक व्यवस्थाओं के तहत ऐसे ही अंधे नेताओं का अनुसरण करने के लिए मजबूर किया जाता है। उन्हें ऊपर बताए गए बहुरंगी आदर्शों में से किसी एक का अनुसरण करने के लिए मजबूर किया जाता है, जो निश्चित रूप से लंबे समय में विफल हो जाएगा और इसलिए उन्हें व्यावहारिक रूप से आशा के विरुद्ध आशा करने के लिए मजबूर किया जाता है।उन्होंने कहा आशा के विरुद्ध आशा रखने वाले बहुत से दल हैं और जब भी इंद्रिय-तृप्ति की प्रक्रिया विफल होती है, तो विभिन्न दलों को हिंसक खतरों में डाल दिया जाता है। प्रत्येक दल की यह खतरनाक स्थिति उन्हें एक दूसरे से लड़ने के लिए प्रेरित करती है और अंत में लोगों के लिए अज्ञात झूठी विचारधारा के लिए एक दल दूसरे का शिकार बन जाता है। भौतिक शिक्षा के ईश्वरविहीन विकास के कारण इस कलियुग का सांप्रदायिक दंगा अब एक सामान्य घटना है। हालांकि, बेचारे अनुयायियों और निर्दोष राहगीरों को ऐसी विचारधाराओं का सामना

श्रीमद्भागवत कथा का चतुर्थ दिवस

करना पड़ता है और ऐसा इसलिए होता है क्योंकि लोगों का एक बड़ा हिस्सा धीरे-धीरे ईश्वरविहीन सभ्यता की निराशाजनक स्थिति की ओर धकेला जा रहा है। जिसे जीवन की आध्यात्मिक स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं है और वे अब इंद्रिय-तृप्ति की भ्रमित अवस्था में अंधेरे में रखे गए हैं।कथा वाचक ने कहा ऐसे लोग जो आशा के विरुद्ध आशा की श्रृंखला में इन्द्रिय-तृप्ति के द्वारा सुख की खोज करते हैं। वे अवैध तरीकों से धन संचय करने का प्रयास करते हैं। अशुद्ध चेतना में परमेश्वर के स्वामित्व के अधिकार के ज्ञान के बिना - सब कुछ अवैध रूप से संचित किया जाता है क्योंकि हमारे पास जो कुछ भी है वह सब परमेश्वर का है। धन का यह अवैध संचय न केवल काले बाजार में बल्कि अवैध तरीकों से खुलेआम दिन के उजाले में भी किया जाता है। यहाँ तक कि तथाकथित संन्यासी भी परमेश्वर के स्वामित्व के अधिकार को भूलकर इन्द्रिय-तृप्ति के लिए निजी संपत्ति बनाने के लिए अवैध रूप से जनता से दान एकत्र करके धन संचय करते हैं।कट्टर इन्द्रिय-तृप्ति करने वालों की ब्लैकमेलिंग की कोशिश के कारण अब काला बाजार शब्द का प्रचलन समाप्त हो गया है। काला बाजारी की ऐसी प्रबल इन्द्रिय-तृप्ति प्रवृत्ति से प्रभावित होकर अब यह अनुभव किया जाने लगा है कि करोड़पति लोग भी कभी-कभी दूसरों के धन का आपराधिक दुरुपयोग कर लेते हैं। जब कोई गरीब आदमी आपराधिक दुरुपयोग करता है। तो हम गरीब आदमी की गरीबी से प्रेरित प्रवृत्ति को समझ सकते हैं।लेकिन जब हम देखते हैं कि कोई करोड़पति व्यापारी या उच्च प्रशासक या पवित्र संन्यासी (?) ऐसे आपराधिक अपराध कर रहा है।तो हम नास्तिक सभ्यता द्वारा उत्पन्न इन्द्रिय-तृप्ति प्रवृत्ति के प्रबल निर्देश को समझ सकते हैं। ऐसी अवैध इन्द्रिय-तृप्ति प्रक्रिया आशा के विरुद्ध आशा के रूप में कार्य करती रहती है और वे कभी भी बल या कानून द्वारा संतुष्ट नहीं होती हैं। नास्तिक सभ्यता इन्द्रिय-तृप्ति की आशा के विरुद्ध आशा की इस प्रक्रिया को तेज कर सकती है। लेकिन पशुता का यह वातावरण कभी भी वांछित शांति नहीं ला सकता।यजमान के रूप में हितेश गुप्ता,रचना गुप्ता रही। संयोजक डा. क्षितिज शर्मा ने सभी भक्तों से अपील की है कि वे इस पवित्र कथा में भाग लेकर भगवान श्रीकृष्ण की कृपा प्राप्त करें और भक्ति मार्ग पर आगे बढ़ें।

उ0प्र0 खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति 2023 योजनान्तर्गत मसाला उद्योग का किया गया स्थलीय निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि अपर मुख्य सचिव द्वारा प्रदत्त निर्देश के अनुपालन में 08 जनवरी 2025 को जिला उद्यान अधिकारी डा0 सीमा सिंह

गठित कमेटी जिसमे सदस्य डॉ0 सर्वेश कुमार संयुक्त निदेशक (उद्यान) लखनऊ, पवन कुमार, प्रधानाचार्य राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केन्द्र, वाराणसी, कन्सल्टेन्ट, डा0 आमीन कन्ट्रोलर्स प्रा0लि0, नोएडा समिति राणा के साथ मेसर्स एच0वी0आर0 एग्रो फूड प्रा0लि0 सतहरिया जौनपुर के अनुदान की द्वितीय किश्त अवमुक्त किये जाने से पूर्व मसाला उद्योग का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय कम्पनी मालिक द्वारा अवगत कराया गया कि मसाला उद्योग स्थापित करने में कुल लागत 11.00 करोड आयी है।जिसके लिए उद्योग नीति 2023 के तहत रजिस्ट्रेशन कराया गया। जिसमें 35 प्रतिशत अनुदान की धनराशि अनुमन्य है।के सापेक्ष प्रथम किस्त प्राप्त हो चुका है। रविन्द्रनाथ सिंह ने बताया कम्पनी द्वारा 05 टन प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के करीब 39 तरह के मसाले तैयार किये जा रहे है। यूनिट वर्तमान में संचालित एवं सभी मशीने क्रियाशील पायी गयी। जून 2024 से यह मशाला उद्योग संचालित है। मशाला उत्पादन किया जा रहा है।वर्तमान में कम्पनी में 27 कार्मिक कार्य करते है। इस दौरान कम्पनी के ओनर रविन्द्रनाथ सिंह, जनरल मैनेजर उपेन्द्र सिंह व सन्तोष दुबे मौके पर उपस्थित रहे।

आर्मी के जवान के घर ताला तोड़कर चोरी का प्रयास

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। शिवपुर थाना क्षेत्र के सुद्धिपुर निवासी आर्मी के जवान के घर का ताला तोड़कर चोरों ने चोरी का प्रयास किया। पीड़िता रीता यादव ने बताया उनका निवास सुद्दीपुर में है और उनके पति विजय यादव आर्मी में सर्विस करते हैं। बीते 1 जनवरी को वह बच्चों के साथ मायके गई थी। 5 जनवरी को वापस आने पर देखा कि मेन गेट सहित अंदर के कमरों का ताला टूटा हुआ था और अंदर के दरवाजे को जलाया गया था।संजोग अच्छा था की कुछ भी सामान चोरी नहीं हुआ। पीड़िता ने बताया कि उसने तत्काल घटना की जानकारी 112 नंबर पर फोन कर पुलिस को दिया साथ ही तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया।

गायब युवती का नहर में बहता शव पाए जाने से सनसनी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना क्षेत्र बासूपुर गांव से बीते मंगलवार को घर से गायब युवती का शव नहर में बहता हुआ मिला। नहर में शव मिलने की सूचना पर क्षेत्र में सनसनी फैल गई। क्षेत्र के बासूपुर निवासी श्रीराम की पुत्री बीते मंगलवार को बिना किसी परिवार वालों को सूचना दिये घर से गायब हो गई थी। परिवार वाले पास पड़ोस के गांव तथा रिश्तेदारी में खोजबीन कर रहे थे इसी बीच गुरुवार की सुबह गांव से कुछ दूर नहर में किसी युवती के शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते हीं परिवार वाले रोते बिलखते मौके पर पहुंचे तो शव की पहचान गुमशुदा आरती के रूप में हुई। शव मिलते परिवार में कोहराम मच गया।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। मृतका के पिता श्री राम पुत्र रामसरन ने बताया कि उसकी पुत्री 20 वर्षीया आरती मानसिक रूप से बीमार थी। जिसका उपचार बनारस के एक अस्पताल से चल रहा था। बीते मंगलवार को आरती घर वालों से बिना कुछ बताये गायब हो गयी थी।परिवार वाले गांव के आस- पास और रिश्तेदारों के यहां तलाश कर रहे तभी समसुद्दीनपुर गांव स्थित नहर में एक युवती के शव होने की जानकारी मिली। मौके पर जाकर देखा तो शव आरती का हीं था। मृतका के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को अन्त्यपरीक्षण हेतु भेज दिया। रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

पाक्सो एक्ट का आरोपित गिरफ्तार

जफराबाद,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ0 कौस्तुभ के निर्देशन मे अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे।विशेष अभियान मे अपर पुलिस अधीक्षक(नगर) अरविन्द कुमार वर्मा के दिशा निर्देशन व सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर आयुष श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण मे प्र0नि0 जयप्रकाश यादव थाना जफराबाद में उ0नि0 उमेशचन्द्र पाण्डेय मय हमराह पुलिस बल के साथ मु0अ0सं0 05/2025 धारा 333/74/351(3) बीएनएस धारा 7/8 पाक्सो अधिनियम से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त करन राजभर पुत्र कलपू राजभर निवासी दशमणा थाना बरदह जनपद आजमगढ़ को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

ऑल इंडिया सिविल सर्विस में शुभम ने जीता सिल्वर मेडल

दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में 3 से 8 जनवरी तक चला ऑल इंडिया सिविल सर्विस टूर्नामेंट

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत के शुभम यादव व संग्राम का सेमी फाइनल में रीजनल स्पॉट बोर्ड भोपाल और रीजनल स्पॉट बोर्ड मुंबई को सीधे सेटों में हराकर के फाइनल में प्रवेश किया।फाइनल में अरुणाचल के ला तलार और पटना के अरिंताप दास गुप्ता से बहुत ही कड़े मुकाबले में तीसरे सेट में 21- 19 से हार का सामना करना पड़ा। शुभम यादव ने बताया कि ऑल इंडिया सिविल सर्विस में पूरे देश भर के सारे सिविल सर्विस की टीम आती है।शुभम यादव का बेस्ट प्लेयर का अवार्ड भी दिया गया। शुभम यादव बताया कि रेणुका भट्ट और शुभम दोनों ने सिल्वर मेडल जीता। जीतने के बाद उनके डिपार्टमेंट इंडियन पोस्ट ने उनको बहुत ढेर सारी बधाइयां दी और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। मेडल जीतने के बाद टीम के अश्वनी सर और केशव भैया ने बताया बहुत ही अच्छा खेले हैं यह लोग और शुभम इस समय शाम बैडमिंटन अकादमी में अपनी प्रैक्टिस करते हैं।जीतने के बाद शुभम के ऑफिस के रुपिंदर सर और ऑफिस के सारे स्टाफ ने बहुत ढेर सारी बधाइयां दे।

किसान यूनियन ने सात सूत्रीय मांग-पत्र बीडीओ सोंधी को सौंपा

बीडीओ ने किसानों की सभी समस्याओं के निस्तारण का दिलाया भरोसा

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखण्ड शाहगंज सोंधी क्षेत्र के विभिन्न गाँव के किसानों ने गुरुवार को अपनी समस्याओं को लेकर सात सूत्रीय-पत्र को खण्ड विकास अधिकारी को सौंपकर अपनी समस्याओं की तरफ ध्यान आकृष्ट कराया। भारतीय किसान यूनियन जौनपुर के बैनर तले ब्लॉक इकाई के अध्यक्ष रामधारी बिन्द के नेतृत्व में गुरुवार की सुबह आस-पास क्षेत्र के किसान एकत्र होने हो गए। जहाँ एकत्रित सभी किसान अपनी विभिन्न समस्याओं से सम्बंधित सात-सूत्रीय मांग-पत्र को खण्ड विकास अधिकारी शाहगंज सोंधी जितेंद्र प्रताप सिंह को सौंपा। इस दौरान किसानों ने मांग किया है कि रबी फसल की बुआई के लिए 24 घण्टे बिजली मिलें, उजाला महिला स्वयं सहायता समूह की मजदूरी समय से मिलें।उज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन दिया जाएं।शाहापुर बड़ा तालाब से बेसो नदी तक नाले की सफाई हो।शाहापुर में शौचालय का निर्माण हो समेत कुल सात सूत्री मांग करते हुए मांग-पत्र को बीडीओ को सौंपा है। इस दौरान मुख्य रूप से चंद्रभान, सन्तोष, इन्द्रराज, गणेश, रामअचल, शिवमूर्ति, उर्मिला, अशोक बिन्द समेत आदि लोग मौजूद रहे।

फ्री पाठशाला के बच्चों को लैपटॉप, साइकिल व सिलाई मशीन का हुआ नि:शुल्क वितरण

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब आराजी लाइन विकासखंड क्षेत्र के मिल्कीचक में बुधवार को जय अंजली फाउंडेशन नारी शक्ति संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा यादव एवं राष्ट्रीय

कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष राम निवास यादव के निर्देशन में जय अंजली फाउंडेशन द्वारा संचालित फ्री पाठशाला में पढ़ने वाले गरीब छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य ललित यादव द्वारा निशुल्क लैपटॉप, आईपैड, साइकिल तथा सिलाई मशीन वितरण किया गया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य ललित यादव ने जय अंजली फाउंडेशन द्वारा गरीब असहाय बच्चों को निशुल्क पढ़ाई तथा उनके शैक्षिक विकास के लिए निशुल्क लैपटॉप आईपैड साइकिल तथा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने हेतु सिलाई मशीन निशुल्क वितरण करने जैसे इस नेक काम को लेकर जय अंजली फाउंडेशन की सराहना करते हुए बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। अंजली ग्रुप की चीफ डायरेक्टर सुनीता यादव ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को पढ़ाई में मदद करना है। अंजली ग्रुप के चेयरमैन डॉ. संतोष यादव (सी एच डी) ने कहा कि यह संस्था गरीब और असमर्थ लोगों की मदद कर रही है और उन्हें समाज के मुख्य धारा में लाने का पूरी प्रयास कर रही है। संगठन तमाम विरोध और संघर्ष के बावजूद समाज विकास का कार्य करता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन जय अंजली फाउंडेशन नारी शक्ति संगठन की जिलाध्यक्ष लक्ष्मी राजभर एवं बोर्ड मेंबर्स सोनी विश्वकर्मा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से चंदा विश्वकर्मा, वर्षा सहित पाठशाला के बच्चे उपस्थित रहे।

महाकुंभ के दौरान पांच दिन तक नहीं चलेगी कोई गाड़ी, 4 किमी. चलना होगा पैदल, रहेगा नो व्हीकल जोन

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज के एडीजी भानु भास्कर ने जानकारी देते हुए बताया कि मौनी अमावस्या के साथ-साथ और भी चार स्नान पर्वों के दौरान भी 3 दिन प्रयागराज में मेला क्षेत्र के अंदर नो व्हीकल जोन रहेगा। यातायात व्यवस्था के बारे में बात करते हुए भानु भास्कर ने आगे बताया कि मेला क्षेत्र के आसपास 24 सैटेलाइट पार्किंग बनाई गई हैं। जिसमें सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। इस ढंग से व्यवस्था की गई है कि जिधर से भी श्रद्धालु शहर में प्रवेश करेंगे। उसी ओर बनाए गए स्नान घाट पर स्नान कर पाएंगे।आमतौर पर स्नान के लिए श्रद्धालुओं को करीब एक से डेढ़ किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। वहीं इस पर्व के दौरान स्नान के लिए सभी श्रद्धालुओं को 3 से 4 किलोमीटर पैदल चलना पड़ेगा। यही नहीं स्नान के दौरान एक दिन पहले और एक दिन बाद में यहां से कोई ट्रेन भी नहीं चलेगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लगाई गई शटल सर्विस की सभी बसें सिविल लाइंस बस अड्डे से निकलेंगी। ऐसे में अगर कोई इमरजेंसी होती है तो उसके लिए ग्रीन कॉरिडोर भी बनाए गए हैं।

अब इन दो दस्तावेजों के बिना नहीं हो पाएगी राशन कार्ड ई-केवाईसी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राशन कार्ड के जरिये दिए जाने वाले लाभ केवल जरूरतमंद लोगों को ही मिले, इसलिए सरकार ई-केवाईसी की प्रक्रिया को अनिवार्य कर रही है।ताकि फर्जी लोग मुफ्त के राशन का लाभ नहीं ले सके।देश में गरीबों और जरूरतमंदों को सस्ती दरों पर राशन देने की लिए सरकार राशन कार्ड जारी करती है। अब इन कार्ड धारकों के लिए ई-केवाईसी प्रक्रिया अनिवार्य कर दी गई है। जो भी ई-केवाईसी नहीं करेंगे उन्हें राशन कार्ड योजना का लाभ नहीं दिया जाएगा। इन दो दस्तावेजों के बिना नहीं हो पाएगी राशन कार्ड ई-केवाईसी, जानें इससे जुड़ी सारी जानकारी। राशन कार्ड ई-केवाईसी क्यों की गई जरूरी राशन कार्ड के जरिये दिए जाने वाले लाभ केवल जरूरतमंद लोगों को ही मिले।इसलिए सरकार ई-केवाईसी की प्रक्रिया को अनिवार्य कर रही है ताकि फर्जी लोग मुफ्त के राशन का लाभ नहीं ले सके। अभी कई ऐसे लोग जो इसके अंतर्गत पात्र नहीं है वे भी मुफ्त में राशन का लाभ ले रहे हैं।राशन कार्ड ई-केवाईसी के लिए जरूरी दस्तावेज राशन कार्ड और आधार

जानें इससे जुड़ी सारी जानकारी डेस्क पर

कार्ड के बिना ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकती।राशन कार्ड ई-केवाईसी कैसे करें 1. राशन डीलर के माध्यम से ई केवाईसी इसके लिए आपको राशन कार्ड डीलर के पास जा कर ई-केवाईसी से संबंधित सभी जरूरी दस्तावेज पेश करने होंगे. दस्तावेजों के आधार पर ये प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी। 2. मेरा राशन कार्ड 2.0 ऐप के माध्यम से ई-केवाईसी इसके लिए आपको अपने फोन में सबसे पहले Mera Ration 2.0 App डाउनलोड करना होगा।लॉग इन करने के लिए आधार नंबर और कैप्चा दर्ज करें। इसके बाद ओटीपी डालकर अपना पिन सेट करें।ई-केवाईसी करने के लिए आपको पारिवारिक विवरण विकल्प पर क्लिक करना होगा। ई-केवाईसी करने से पहले उस सदस्य का स्टेटस चेक कर लें।यदि राशन कार्ड आधार से वेरीफाई नहीं है तो राशन कार्ड डीलर के पास जाकर आपको ये प्रक्रिया पूरी करनी होगी। राशन कार्ड ई-केवाईसी का स्टेटस कैसे चेक करें ऑनलाइन यदि आप राशन कार्ड ई-केवाईसी का स्टेटस चेक करना चाहते हैं तो इसके लिए अपने राज्य के खाद्य सुरक्षा पोर्टल पर जाकर अपना राशन कार्ड नंबर दर्ज करना होगा। इसके बाद राशन कार्ड ई-केवाईसी के स्टेटस पर जाएं। यदि ई-केवाईसी की प्रक्रिया हो चुकी होगी तो आपको यस लिखा दिखेगा और नहीं हुई है तो नो।

पार्ट टाइम नौकरी का झांसा देकर इंजीनियर से 3.52 लाख ठगे

कन्नौज (उत्तरशक्ति)। पार्ट टाइम नौकरी का झांसा देकर इंजीनियर से ऑनलाइन 3.52 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। साइबर थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। कोतवाली छिबरामऊ मोहल्ला सुभाष नगर पश्चिमी बाईपास रोड बंबा रोड निवासी ऋषभ कुमार मिश्रा नोएडा में प्राइवेट कंपनी में इंजीनियर है। वह नए साल पर घर आए थे। उनके व्हाट्सएप पर मैसेज भेज कर पार्ट टाइम नौकरी की पेशकश की गई। इसमें व्हाट्सएप चैनल का प्रमोशन और टेलीग्राम प्रीपेड का काम करने के लिए बताया गया।

इसके लिए मैसेज भेज रहे युवक ने समूह का लिंक भेजा। इसके लिए पांच हजार रुपये फीस जमा कराई गई। इसके बाद दूसरे युवक से बात करने व निर्देशन लेने की बात बताई गई। इसके बाद गुमराह करके तीन बार में 3.52 लाख रुपये ऑनलाइन ठग लिए। इस पर ऋषभ को ठगी का एहसास हुआ। ऋषभ ने साइबर थाने में तहरीर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। साइबर थाने के प्रभारी इंस्पेक्टर जयंती प्रसाद गंगवार ने बताया कि पार्ट टाइम नौकरी का झांसा देकर इंजीनियर के साथ ठगी का रिपोर्ट दर्ज की गई है। सर्विलांस की मदद से पूरे मामले का खुलासा करने का प्रयास भी किया जा रहा है।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

चित्रकूट (उत्तरशक्ति)। राजापुर थाना क्षेत्र के मोहरवा के पास कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल हो गया। अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उधर, कार चालक भी घायल हो गया। उसको जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। बहिलपुरवा थाना क्षेत्र के चंद्रामारा निवासी रामसवारे का पुत्र गोविंदा कुमार (20) बाइक से चोरहा पैकौरा निवासी फूफा रामकंधई को पथरी की दवा देने जा रहा था। मोहरवा के पास पीछे से कार चालक पहाड़ी थाना क्षेत्र के बछरन निवासी अभिषेक सिंह ने बाइक में टक्कर मार दी।

इससे बाइक और कार चालक दोनों घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों को सीएचसी राजापुर ले गई। दोनों की हालत गंभीर देख जिला अस्पताल भेज दिया गया। इलाज के दौरान बाइक सवार गोविंदा की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मां ननकी देवी, बहन मनीषा, निशा देवी और भाई दुर्गविजय रोने-बिलखने लगे। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

ड्यूटी के दौरान सिपाही ने खुद को मारी गोली

लखनऊ(उत्तरशक्ति)। राजधानी लखनऊ के आशियाना में सीआरपीएएफ 93 बटालियन में तैनात सिपाही ने खुद को सरकारी राइफल से गोली मारकर ली। सिपाही को ट्रामा सेंटर रेफर किया गया जहां उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक सिपाही उपेंद्र कुमार सिंह (36)पुत्र पारसनाथ सिंह बिहार के छपरा जिले का निवासी है। उसने सुबह ड्यूटी के दौरान खुद को गोली मार ली। आत्महत्या किन कारणों से की है। मामले की जांच की जा रही है। बृहस्पतिवार सुबह 8:45 पर उपेंद्र ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान उन्होंने अपनी सर्विस राइफ से गले में सटाकर खुद को गोली मार ली। फायरिंग की आवाज सुनकर अन्य साथी मौके पर पहुंचे तो नजारा देखकर दंग रह गए। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई जिनके द्वारा सिपाही को इलाज के लिए लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसकी हालत बिगड़ती देख उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अधिकारियों द्वारा घटना की सूचना घरवालों को दे दी गई है।

घर में घुसकर पूर्व महिला प्रधान की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

मेरठ (उत्तरशक्ति)। मेरठ में बुधवार को बदमाशों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। यहां कंकरखेड़ा क्षेत्र के रोहटा रोड पर भोला गांव की पूर्व प्रधान बुजुर्ग महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बताया गया कि घर में घुसकर महिला को गोली मारकर आरोपी फरार हो गए। घायल महिला को परिजन तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल पर पुलिस ने पहुंचकर जांच पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। वहीं महिला की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार रोहटा रोड स्थित नारायण गार्डन कॉलोनी में बुधवार को दिनदहाड़े घर में घुसकर नकाबपोश बाइक सवार दो बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद बाइक सवार बदमाश रोहटा रोड की तरफ फरार हो गए। दोनों बदमाश मकान पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गए। सूचना पर एसपी सिटी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। जानी थाना क्षेत्र के भोला गांव निवासी सोहनवीरी(55) पत्नी यशपाल सिंह नारायण गार्डन कॉलोनी में 3 दिन पूर्व बेटी निशा पत्नी दीपक के घर पर आई थी। बुधवार को बच्चे व परिजन घर में मौजूद थे।

इसी बीच एक बाइक सवार दो बदमाश मौके पर पहुंचे। दोनों बदमाश जबरन घर में ऊपरी मंजिल पर घुस गए। जहां उन्होंने पूर्व प्रधान को गोली मार दी। घटना के बाद कमरे में चारों तरफ खून फैल गया। वहीं घर में मौजूद छोटे बच्चे दहशत में आ गए। गंभीर अवस्था में परिजनों ने घायल महिला को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। एसएसपी डॉ. विपिन टाडा का कहना है कि तीन टीमों को जांच के लिए लगा दिया गया है।

मार्टीनगंज ब्लॉक में जल जीवन मिशन योजना बदहाल

बरदह(उत्तरशक्ति)। मार्टीनगंज ब्लॉक में सरकार की महत्वपूर्ण महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन हर घर जल नल विफल होती दिख रही है। जगह-जगह पाइप खुला छोड़कर ठेकेदार चले गए हैं। जगह-जगह सड़कों को तोड़ दिया गया है। इससे आने-जाने वाले राहगीरों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। रात में कोहरे इस तरह पड़ रहा है कि सड़क हादसों का डर बना रहता है। इसे लेकर क्षेत्रवासियों में आक्रोश व्याप्त है। बता दें कि ग्राम भूलंडीह, खराट, बेलहरी, हसनपुर, दुबरा, शेखपुरा आदि गांवों में जगह-जगह पर सड़कों को तोड़कर छोड़ दिया गया है। ग्रामवासी दिलीप, विशाल, धीरेंद्र, पप्पू राय, श्यामलाल, अलका, शेखपुरा और दुबरा के प्रधान दिलीप यादव ने बताया कि हम लोग ठेकेदार को कई बार कह चुके हैं लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। जल जीवन मिशन हर घर जल कार्यक्रम अधूरा छोड़कर ठेकेदार चले गए हैं, कोई देखने भी नहीं आता है। इतना ही नहीं हम लोगों का आधार कार्ड भी ठेकेदार लेकर चला गया है। जल जीवन मिशन अधिशासी अभियंता आजमगढ़ हेमंत सिंह ने बताया कि एक हफ्ते के अंदर सारे गड्ढों और पाइपों को बंद कर दिया जाएगा।

स्वतंत्रता सेनानी पंडित सुर्यनाथ उपाध्याय की 27 वीं पुण्य तिथि मनाई गई

सिकरारा, जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर स्थित सिकरारा क्षेत्र के देहजुरी गाँव निवासी स्वततंत्रता संग्राम सेनानी व पूर्व विधायक अमर सेनानी पंडित सूर्यनाथ उपाध्याय की 27 वीं पुण्यतिथि पर बुधवार को उनके पैतृक गांव स्थित क्षेमकरण पूर्व माध्यमिक विद्यालय (गोपालपुर) परिसर मे स्थापित उनके प्रतिमा पर उपस्थित लोगों ने माल्यार्पण अर्पित करके श्रद्धा पूर्वक श्रद्धांजली दिए. तथा आयोजित कार्यक्रम में लगभग सैकड़ों असहाय, गरीबों को कंबल भी वितरित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष व पूर्व ब्लाक प्रमुख सुधाकर उपाध्याय ने कहा कि भारत माता को आजादी दिलाने में पंडित सूर्यनाथ उपाध्याय के योगदानों को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। फिरंगियों के दमनकारी नीति के आगे वे कभी झुके नहीं बल्कि उनसे लड़ते रहे। तीन बार के विधायक के कार्यकाल में रारी एवं मड़ियाहूं के उत्तरोत्तर विकास के साथ जनपद के विकास के लिये प्रतिबद्ध रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रधानाचार्य ईश्वरी मिश्रा ने कहा कि जन्मदाता व जन्मभूमि का कर्ज कभी चुकाया नहीं जा सकता है। इस अवसर पर उनके पौत्र व प्रबंधक सभा के जिलाध्यक्ष संजय उपाध्याय ने आगन्तुको के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम में उनके पुत्र व सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य अभयराज उपाध्याय, पौत्र अनिल उपाध्याय, अवनीश उपाध्याय, श्याम नारायण उपाध्याय, पत्रकार शरद सिंह, प्राचार्य जनार्दन मिश्रा, सतेंद्र उपाध्याय, सीबू, राममिलन पाठक, पुरुषोतम शर्मा, संदीप मिश्रा, विशाल सिंह, संदीप तिवारी, आशीष मिश्रा, शिवधारी यादव, नन्द कुमार यादव, राकेश मिश्रा सहित तमाम गण मान्य लोग उपस्थित रहे।

उच्च शिक्षा में लड़कियों का नामांकन अनुपात बढ़ाने के लिए सरकार कर रही प्रयास : श्रवण कुमार

पटना(उत्तरशक्ति)। यहां के प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थान बीडी कॉलेज में उद्घाटन समारोह का आयोजन कर बीएससी (आईटी) लैब, वाचनालय, बांग्ला विभाग, स्नातक पुस्तकालय, उर्दू विभाग एवं बहुद्देशीय काउंटर को लोकार्पित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने महाविद्यालय में छात्र हित में किये जा रहे कार्यों के लिए प्राचार्य प्रो. विवेकानंद सिंह की सराहना की और उच्च शिक्षा में लड़कियों का नामांकन अनुपात बढ़ाने में सरकार के द्वारा किये जा रहे प्रयासों से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि लड़कियों में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार अविवाहित लड़कियों को छात्रवृत्ति देती है। इंटर पास करने पर सरकार की ओर से 25 हजार रुपए तो ग्रेजुएशन पूरा करने पर 50 हजार रुपए मिलते हैं। पहले इंटर और ग्रेजुएशन की छात्रवृत्ति की राशि क्रमशः 10 हजार और 25 हजार थी। अब इसे दोगुना कर दिया गया है। सरकार की यह कवायद बाल विवाह को रोकने के लिए है। अविवाहित छात्राओं को ही इसका लाभ मिलता है। ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि राजधानी पटना में उच्च शिक्षा प्रदान करने में बीडी कॉलेज का महत्वपूर्ण योगदान है। प्राचार्य प्रो. विवेकानन्द सिंह ने स्वागत भाषण में कहा कि बीएससी (आईटी) लैब 10 वर्षों से लैब विहीन था, वाचनालय नहीं था जिनका निर्माण मेरी प्राथमिकता थी। विभिन्न विभागीय कक्षों का लोकार्पण करते हुए मुझे आज संतुष्टि का अनुभव हो रहा है। कुलपति प्रो. आर के सिंह ने प्राध्यापकों को शोधपरक दृष्टि रखने एवं नवाचार हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर रामकृष्ण द्वारिका कॉलेज के प्राचार्य डॉ जगन्नाथ गुप्ता ने भी अपने विचार रखे।

काली माता मंदिर के पुजारी की निर्मम हत्या

बरेली (उत्तरशक्ति)। यूपी के बरेली स्थित फरीदपुर में काली माता मंदिर पर बुधवार रात पहुंचे बाहरी साधु की अज्ञात लोगों द्वारा मंदिर परिसर में डंडा व ईंटों से सिर कुचलकर निर्मम हत्या कर दी गई। बृहस्पतिवार सुबह मंदिर पर पहुंचे नागा बाबा अमित गिरी ने खून से लथपथ साधु का शव पड़ा देखा। सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस व फोरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल की। शव का पंचनामाभर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं एसएससी बरेली ने घटना स्थल पर पहुंच कर घटना के बारे में जांच पड़ताल की। फरीदपुर क्षेत्र के पचौमी गांव में गांव के बाहर पश्चिम दिशा में काली माता का मंदिर है। वहीं गांव के पूरब दिशा में पंचेश्वर नाथ शिव का मंदिर है। काली माता मंदिर पर क्षेत्र के गांव रमपुरिया निवासी नागा बाबा अमित गिरी रहते हैं। मंदिर परिसर में ही बनी दूसरी कोठरी नगरीय विक्रम निवासी नरेश गिरी की है। अमित गिरी के अनुसार करीब 10 दिन पहले बाहर के रहने वाले साधु शिवचंद्र गिरी (45) पंचेश्वर नाथ मंदिर पर पहुंचे और वह मंदिर परिसर में रहने लगे। बुधवार शाम बाबा शिव चंद्र गिरी ने शराब पी ली जिस पर पंचेश्वर नाथ मंदिर के महंत ने उन्हें मंदिर परिसर से बाहर जाने को कह दिया।

उस मंदिर से वह रात में काली माता मंदिर पर सोने चला गया। वहां पर रात में अज्ञात लोगों द्वारा बाबा के सिर पर डंडे से कई बार किए। जिससे डंडा करीब चार टुकड़ों में टूट गया। इसके बाद ईंटों से सिर कूचकर निर्मम हत्या कर दी। बृहस्पतिवार सुबह हत्या की जानकारी हुई तो सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेजने के साथ जांच शुरू कर दी।

बांसगांव में युवक को चाकू मारने का आरोपी गिरफ्तार

बांसगांव(उत्तरशक्ति)। डिघवा चौराहे मंगलवार को आयुष सिंह को चाकू मारने वाले दो आरोपियों को बांसगांव पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बुधवार को आयुष की मां कुमुद सिंह की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद और नौ अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज किया। पुलिस गिरफ्तार आरोपित बघराई निवासी अंगद यादव उर्फ रमाशंकर यादव और उसके भाई गौरी यादव से पूछताछ करने के बाद न्यायालय में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया। बांसगांव नगर पंचायत के वार्ड संख्या सात मरवटिया उत्तरी निवासी बीए का छात्र आयुष सिंह मंगलवार को कौड़ीराम स्थित मकान पर जा रहा था। अभी वह डिघवा चौराहे पर पहुंचा था कि स्कार्पियो सवार मनबढ़ों ने उसे रोक लिया और लाठी-डंडा, राड से हमला कर दिए। जमीन पर गिरने के बाद एक मनबढ़ ने उसके शरीर पर चाकू से हमला कर दिया। इस घटना में आयुष का एक साथी भी घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने आयुष को एक निजी अस्पताल ले गए, जहां सीएचसी बांसगांव भेज दिया गया। वहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उसका उपचार चल रहा है। बुधवार सुबह आयुष की मां कुमुद सिंह ने थाने पर बघराई निवासी अंकित यादव, अवनिश यादव, अंगद यादव, शुभम राय, करन राय उर्फ करमु, गौरी यादव, अमन राय, अंकुर राय, धस्की निवासी आलोक यादव, जयंतीपुर निवासी धीरज मौर्य, जगदीशपुर निवासी रमेश यादव के विरुद्ध तहरीर देकर केस दर्ज कराया। पुलिस कार्रवाई करते हुए दो भाइयों को गिरफ्तार कर लिया।

मेस में खाने के बाद 15 छात्रों की तबीयत बिगड़ी

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। एम्स के मेस में मंगलवार रात खाना खाने से 15 छात्रों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। आनन-फानन में एम्स की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। जहां 14 छात्र प्राथमिक उपचार के बाद छात्रावास चले गए। जबकि एक छात्रा की हालत गंभीर होने पर इमरजेंसी में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। एम्स के डॉक्टरों के मुताबिक सभी छात्रों को माइल्ड फूड प्वाइजनिंग की शिकायत थी। एम्स प्रशासन ने मामले की जांच शुरू करा दी है। एम्स के मेस में मंगलवार को करीब 15 एमबीबीएस छात्र, नर्सिंग और रेजिडेंट भोजन करने गए। भोजन के कुछ देर बाद छात्रों को पेट में दर्द और उल्टी की शिकायत होने लगी। इसके बाद हॉस्टल में अफरा-तफरी मच गई। सभी छात्र तत्काल एम्स की इमरजेंसी में गए, जहां पर उनका इलाज शुरू किया गया। इन सबके बीच पहले खाना खाने वाले छात्र, नर्सिंग और रेजिडेंटों में भी डर बैठ गया। उन्होंने एहतियात के तौर पर दवा का सेवन कर लिया। हालांकि किसी को कोई और दिक्कत नहीं हुई। एक छात्रा को इमरजेंसी में रखा गया है। उसकी हालत खतरे से बाहर है। परीक्षाओं के कारण छात्र इस मुद्दे पर शांत रहे। छात्रों का कहना है कि इससे पहले भी मेस के खाने की शिकायतें आ चुकी है। कुछ दिन पूर्व छात्रों के खाने में कीड़ा निकला था। इसके अलावा एम्स की कैंटीन में भी एक्सपायरी सामान बेचने की शिकायतें सामने आई थीं। इसके बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। मेस में खाने के बाद छात्रों को दिक्कतें आई थीं। उनका इमरजेंसी में तत्काल इलाज कराया गया। जांच में माइल्ड फूड प्वाइजनिंग की बात सामने आई है। मेस संचालक को चेतावनी देते हुए खाने के नमूने ले लिए गए हैं।

लोगों के दिलो मे बस रही हैं आर्यमान के बांसुरी की मधुर आवाज

मुंबई। मुंबई के नजदीक थाना जिला अम्बरनाथ के पालेगांव के आर्यमान तेज प्रताप यादव ने मात्र 12 साल की आयु में बांसुरी की कला को निखार दिया है। उनकी मधुर आवाज सुनकर हर महफिल के साथ सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों में लोगों के बीच आर्यमान यादव शोहरत बटोर रहा हैं। बांसुरी विद्या के जानकर लोग खुली जुबान से कहने लगे हैं कि आर्यमान यादव देश के अंदर बांसुरी वादक के रूप में ख्याति प्राप्त करेगा. और देश का नाम रोशन करेगा। यह एक बहुत ही गर्व की बात है और आर्यमान यादव और उसके परिवार के लिए एक बड़ा सम्मान है। आर्यमान यादव की प्रतिभा और मेहनत को देखकर यह कहा जा सकता है कि वह एक उभरता हुआ कलाकार है जो अपनी बांसुरी की मधुर आवाज से लोगों के दिलों में जगह बना रहा है। उनकी इस प्रतिभा को और भी निखारने के लिए उसके दादा चंद्रकेश यादव ने बताया की बचपन मे इसे बांसुरी बजाने मे रूचि थी इसके प्रतिभा को देखते हुए प्रोत्साहन देना शुरू किया, जिसको क्लासिकल और गुणवत्ता के लिए बांसुरी बजाने वाले शिक्षक के रूप में प्रशांत सर को नियुक्त किया अब उन्हीं की देखरेख में सीख रहा है। यह भी एक अच्छी बात है कि आर्यमान यादव की प्रतिभा को पहचान मिल रही है और लोग उनकी बांसुरी की मधुर आवाज को सुनने के लिए उत्सुक हैं। यह उनके लिए एक बड़ा अवसर है और उन्हें अपनी प्रतिभा को और भी निखारने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

प्लांट की चिमनी गिरने से 25 से ज्यादा मजदूर दबे,कई लोगों के मारे जानें की आशंका

छत्तीसगढ़ (उत्तरशक्ति)। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के रामबोड़ गांव में स्थित निमार्णाधीन कुसुम स्टील प्लांट में बड़ा हादसा घटित हुआ है। निर्माण कार्य के दौरान चिमनी गिरने से 25 से अधिक लोग मलबे में दब गए, जिनमें से कुछ मजदूरों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है और कई राहत दलों को मौके पर भेजा गया है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कुसुम स्टील प्लांट की चिमनी निर्माण के अंतिम चरण में थी। बताया जा रहा है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण चिमनी अचानक गिर गई, जिससे एक बड़ा हादसा हो गया। मलबे में दबे हुए लोगों में अधिकांश मजदूर थे जो निर्माण कार्य में जुटे हुए थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और राहत दल मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया।

इस हादसे में कम से कम एक मजदूर की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 4 अन्य मजदूरों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। घटनास्थल पर स्थानीय लोग और प्रशासन मिलकर मलबे में दबे लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। मलबे में दबे लोगों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है, जिससे मौतों की संख्या में भी इजाफा हो सकता है।

हादसे की सूचना मिलते ही रेस्क्यू दल घटनास्थल पर पहुंच गए थे और मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकालने का कार्य जारी है। राज्य सरकार ने भी इसे गंभीर मामला मानते हुए आसपास के क्षेत्रों से अतिरिक्त राहत दलों को बुलाया है। घायल मजदूरों को पास के अस्पताल में भेजा जा रहा है, जहां उनकी स्थिति पर डॉक्टर निगरानी रखे हुए हैं। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन ठीक से नहीं किया गया था, जिसके कारण यह हादसा हुआ। इस घटनाक्रम ने क्षेत्र में सुरक्षा संबंधी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकार और प्रशासन इस मामले की पूरी जांच करेंगे और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। हादसे की खबर फैलते ही आसपास के गांवों से भी लोग घटनास्थल पर पहुंचने लगे। लोग घायलों के लिए मदद भेजने के प्रयास कर रहे हैं।

चीनी मांझे से दो साल की बच्ची की गर्दन कटी

मेरठ (उत्तरशक्ति)। शहर में चीनी मांझे से होने वाले हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे। सोमवार को तेजगढ़ी चौराहे के पास बाइक सवार सुहेल की चीनी मांझे से गर्दन कटने से मौत हुई थी। अब मंगलवार को लालकुर्ती थाना क्षेत्र के घोसी मोहल्ले में दो साल की मासूम बच्ची इसरा की गर्दन कट गई। इसी मोहल्ले में बाइक सवार होमगार्ड आसिफ (42) का होंठ कट गया। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बालिका की गर्दन पर 16 टांके लगे हैं। होमगार्ड का भी ऑपरेशन हुआ है। लालकुर्ती क्षेत्र के घोसी मोहल्ला के अब्दुल वाहिद सैफी साहिबाबाद में एक फैक्टरी में काम करते हैं। मंगलवार को वह घर आए हुए थे। उनकी दो साल की बेटी इसरा टॉफी की जिद करने लगी। अब्दुल वाहिद मंगलवार शाम करीब पांच बजे बेटी इसरा को गोद में लेकर पैदल मोहल्ले में ही दुकान पर जा रहे थे। घर से कुछ दूरी पर चीनी मांझा लहराया हुआ आया और एक झटके से बच्ची की गर्दन कट गई। बच्ची की चीख निकली तो पिता को इसका पता चला। वहीं पीछे से आई स्कूटी में चीनी मांझा उलझ गया। उसने बेटी की गर्दन में फंसे मांझे को किसी तरह निकाला। तब तक बच्ची खून से लथपथ हो चुकी थी। परिजन बच्ची को पास के दयानंद अस्पताल लेकर पहुंचे। बच्ची की गर्दन देख कर डॉक्टरों ने उसे तुरंत रेफर कर दिया। इसके बाद जसवंत राय अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां डॉक्टरों ने उसका ऑपरेशन किया। चाचा कामिल सैफी ने बताया कि बच्ची की गर्दन पर 16 टांके लगाने पड़े हैं। उसकी हालत गंभीर बनी है। दूसरे हादसे में घोसी मोहल्ले के ही होमगार्ड आसिफ सोमवार शाम बाइक से घर आ रहे थे। मोहल्ले में ही चीनी मांझा उनके चेहरे पर उलझा और उनका होंठ कट गया। इससे वह लहूलुहान हो गए। परिजनों ने उन्हें एक अस्पताल में भर्ती कराया। उनके 14 टांके लगे, मगर खून नहीं रुक पाया। परिजनों ने उन्हें दूसरे नर्सिंग होम में भर्ती कराया। जहां पर उनका दूसरा ऑपरेशन किया गया। मोहल्ले वालों का कहना है कि लालकुर्ती में अब भी सरेआम चीनी मांझे की बिक्री हो रही है। मकर संक्रांति पास होने के कारण खुलेआम चीनी मांझा बिक रहा है। पुलिस यहां ध्यान नहीं दे रही है। चीनी मांझों से हो रहे हादसों के कारण शहर के लोग भयभीत हैं। पुलिस ने मंगलवार को चार दुकानदारों फहीम, शाकिब, एजाज और परवेज को चीनी मांझा बेचते हुए पकड़ा। पुलिस ने चार बोरे चीनी मांझा जब्त किया। हालांकि पुलिस ने चारों को थाने से ही जमानत पर छोड़ दिया। मेडिकल थाना पुलिस ने गोला कुआं से फहीम, लोहियानगर पुलिस ने जाकिर कालोनी से शाकिब और एजाज और लिसाड़ी गेट थाना पुलिस ने सितारा मस्जिद के पास से परवेज को गिरफ्तार किया।

मंदिर के पुजारी की निर्मम हत्या

बरेली (उत्तरशक्ति)। बरेली में फरीदपुर के पचौमी गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। पंचेश्वर नाथ मंदिर में रहने वाले एक बाबा की डंडा और ईंट से कुचलकर हत्या कर दी गई। हत्या की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं।

मंदिर में मौजूद अन्य बाबाओं के मुताबिक बाबा शिव चंद गिरी ने रात में पंचेश्वर नाथ मंदिर पर शराब पी थी। इसके बाद वह काली माता गौगड़ा मंदिर पहुंचे, जहां उनकी हत्या कर दी गई। जब बाबा अमित गिरी मंदिर पहुंचे, तो उन्होंने बाबा को गंभीर हालत में पाया। घटना की सूचना ग्राम प्रधान को दी गई, जिन्होंने तत्काल एंबुलेंस बुलवाई।

हालांकि, इलाज के लिए अस्पताल ले जाने से पहले ही बाबा की मौत हो चुकी थी। मृतक बाबा करीब छह दिन पहले ही कहीं बाहर से आकर यहां रह रहे थे। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से डंडा, ईंट और अन्य साक्ष्य कब्जे में ले लिए हैं। इस घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीण इस हत्या से स्तब्ध हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जल्द ही मामले का खुलासा करने का आश्वासन दिया है।